सुविचार

सांध्य दैनिक

आज की खबर आज

APPROVED BY DAVP, RNI, PCI & DPR

डाक पंजीयन संख्या मध्यप्रदेश/भोपाल/4-405/2022-24

हो सकता है भाग्य आपके निर्णय को पलट कर अपना निर्णय मानने को मजबूर करे। लेकिन यह भी हो सकता है कि आपका एक निर्णय आपके भाग्य को बदल सकता है। कर्म करते रहिए। भाग्य भी साथ देने लगेगा।

शाम तक समाचार

2 ब्लूस्मार्ट ने टाटा पावर ट्रेडिंग कंपनी के साथ बिजली खरीद समझौते पर किए हस्ताक्षर

4 संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी को श्रद्धांजलि

6 मानव जीवन की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे : भूपेन्द्र यादव

वर्ष - 19 (उन्नीस) अंक 213 भोपाल, गुरुवार 22 फरवरी 2024 स्वामी संपादक - शशांक दुबे पृष्ठ 8 ई-मेल - dainikshamtak@gmail.com मूल्य 1.50 रुपया सांध्य संस्करण

सीबीआई का जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक के परिसरों समेत 30 से ज्यादा ठिकानों पर छापा

एजेंसी ,नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के खिलाफ सीबीआई ने आज कार्रवाई की है। सीबीआई ने उनके परिसरों समेत 30 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की है। दिल्ली में गुरुवार सुबह से मलिक के यहां कार्रवाई चल रही है। दरअसल, सीबीआई ने हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट मामले में यह छापा मारा है। बीमा घोटाले में सीबीआई मलिक के खिलाफ सीबीआई पूर्व में भी कार्रवाई कर चुकी है। बीमा घोटाले के मामले में सीबीआई सत्यपाल मलिक और उनके करीबियों के ठिकानों पर छापा मार चुकी है। साल 2019 में किश्तवाड़ में किरू हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए 2,200 करोड़ के सिविल काम का ठेका देने में कथित भ्रष्टाचार हुआ था। सत्यपाल मलिक, जो 23 अगस्त, 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे थे। मलिक का आरोप था कि उन्हें परियोजना से संबंधित दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए 300 करोड़ की रिश्वत की पेशकश की गई थी।

सीएम केजरीवाल को ईडी ने सातवीं बार बुलाया, छह समन कर चुके हैं नजरअंदाज

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने आप के राष्ट्रीय संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक बार फिर समन जारी किया है। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में चल रही जांच में शामिल होने के लिए सातवीं बार नया समन जारी किया है। इससे पहले 14 फरवरी को छठा समन जारी कर बुलाया था और 19 फरवरी को पेश होना था। लेकिन केजरीवाल उस समन पर पेश नहीं हुए थे। उन्होंने कहा था कि अभी मामला कोर्ट में चल रहा है। इसलिए ईडी कोर्ट के फैसले का इंतजार करे। इससे पहले भी ईडी छह समन भेज चुकी है, जिसे मुख्यमंत्री ने नजरअंदाज कर दिया था। ईडी ने 19 फरवरी, 2 फरवरी, 17 जनवरी, 3 जनवरी, 21 दिसंबर और 2 नवंबर को केजरीवाल को समन भेजा था, लेकिन दिल्ली सीएम पेश नहीं हुए थे। इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिए जवाब में पूछा कि यदि वह आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी नहीं हैं, तो उन्हें समन क्यों जारी किया गया। 17 फरवरी को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंस से अदालत में पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को आश्वासन दिया कि वे दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र समाप्त होने के बाद मार्च में शारीरिक रूप से पेश होंगे।

संदेशखाली विवाद पर भाजपा ने जारी की डॉक्यूमेंट्री, आरोप लगाया- ये सच्चाई छिपा रहीं ममता बनर्जी

एजेंसी, कोलकाता। भाजपा ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर एक डॉक्यूमेंट्री जारी की है। इस डॉक्यूमेंट्री में पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में जमीन कब्जाने और महिलाओं के खिलाफ यौन शोषण के मामलों को उजागर करने का दावा किया गया है। भाजपा ने एक्स हैंडल पर जारी इस 20 मिनट की डॉक्यूमेंट्री के साथ कैप्शन में लिखा कि एक सच्चाई जो आपको हैरान कर देगी। एक सच्चाई जो हमें दर्द देती है और एक सच्चाई जो हमारी अंतरआत्मा को झकझोरती है। संदेशखाली की सच्चाई को ममता बनर्जी छिपाने की कोशिश कर रही हैं। डॉक्यूमेंट्री में संदेशखाली की कुछ महिलाएं उन कथित अपराधों के बारे में बात कर रही हैं जो उनके साथ हुए थे। पीड़ित महिलाओं ने बताया कि किस तरह से उनकी जमीन टीएमसी नेताओं ने कब्जाई और उनका यौन शोषण किया। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने पुलिस से अपने साथ ही ज्यादती की शिकायत की तो पुलिस ने भी आरोपियों से ही बात करके मामले को निपटाने की सलाह दी। भाजपा ने संदेशखाली मुद्दे पर ममता बनर्जी सरकार को घेर लिया है। वहीं ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने आरोपों के पीछे भाजपा का हाथ होने का आरोप लगाया।

भारत सरकार के आदेश से एलन मस्क की कंपनी नाराज

एजेंसी ,नई दिल्ली। भारत सरकार ने हाल ही में एक्स (पहले ट्विटर) से कुछ अकाउंट को ब्लॉक करने के आदेश दिए थे। X ने सरकार के इस आदेश को स्वीकार कर लिया है, लेकिन साथ में असहमति भी प्रकट की है। एक्स ने कहा है कि वे भारत सरकार के आदेश के बाद कुछ एक्स अकाउंट को ब्लॉक या सस्पेंड कर रहे हैं लेकिन हम इससे सहमत नहीं हैं। लोगों को बोलने की आजादी होनी चाहिए। इसकी जानकारी एक्स के ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर टीम ने एक पोस्ट के जरिए दी है। भारत सरकार ने कार्यकारी आदेश जारी किए हैं, जिसमें कुछ एक्स अकाउंट खातों और पोस्टों पर कार्रवाई करने की बात कही गई है। इन अकाउंट पर जुर्माना और जेल की सजा भी जैसी कार्रवाई करने की बात कही गई है। आदेशों के अनुपालन में, हम इन खातों और पोस्टों को केवल भारत में ही रोक देंगे, हालांकि, हम इन कार्रवाइयों से असहमत हैं और मानते हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता इन पदों तक विस्तारित होनी चाहिए। हमने अपनी नीतियों के अनुसार प्रभावित उपयोगकर्ताओं को इन कार्रवाइयों की सूचना भी प्रदान की है। कानूनी प्रतिबंधों के कारण, हम कार्यकारी आदेशों को प्रकाशित करने में असमर्थ हैं, लेकिन हमारा मानना है कि पारदर्शिता के लिए उन्हें सार्वजनिक करना आवश्यक है।

लोकायुक्त पुलिस की बड़ी कार्रवाई

सिरोंज अस्पताल में महिला स्वास्थ्य कर्मी को 7 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ किया गिरफ्तार

एजेंसी, विदिशा

लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार दोपहर को सिरोंज सिविल अस्पताल में पदस्थ ब्लाक कम्यूनिटी मोबेलाइजर (बीसीएम) संध्या जैन को एक आशा कार्यकर्ता से सात हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा है। आरोपित महिला स्वास्थ्यकर्मी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण कायम किया गया है। लोकायुक्त निरीक्षक रजनी तिवारी ने बताया कि सिरोंज तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम झुकरहोज की आशा कार्यकर्ता हरिबाई ने भोपाल स्थित लोकायुक्त एसपी कार्यालय में 14 फरवरी को इस बात की शिकायत की थी कि सिरोंज के राजीव गांधी अस्पताल में पदस्थ बीसीएम संध्या जैन ने उसकी तथा उसकी दो और परिचित आशा कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि पिछले साल के नवंबर माह से रोक रखी है, तथा भुगतान करने के ऐवज में उससे तीन हजार रुपये एवं उसकी परिचितों से चार-चार हजार रूपये रिश्वत देने के लिए दबाव बना रही है। शिकायत पर कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक ने उनके नेतृत्व में टीम गठित थी। गुरुवार को आशा कार्यकर्ता हरिबाई एक लिफाफे में सात हजार रुपये लेकर सिविल अस्पताल पहुंची और संध्या जैन को सौंप दिया। संध्या जैन ने लिफाफे से रुपये निकालकर जैसे ही गिनना शुरू किया, उसी समय लोकायुक्त टीम ने वहां पहुंचकर संध्या जैन को पकड़ लिया। उनके हाथ धुलवाए गए, जिसमें उनके हाथों में नोट पर लगा रंग दिखने लगा। लोकायुक्त पुलिस आरोपित महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

इसरो की एक और सफलता

पृथ्वी की जियोसिंक्रोनस कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित हुआ इनसैट-3डीएस

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया है कि इनसैट 3डीएस सैटेलाइट सफलतापूर्वक पृथ्वी की जियोसिंक्रोनस कक्षा में स्थापित हो गया है। इसरो ने बताया कि सभी चार लिक्विड एपोजी मोटर फायरिंग पूरी हो गई हैं। अब सैटेलाइट के ऑर्बिट टेस्टिंग लोकेशन पर 28 फरवरी 2024 तक पहुंचने की उम्मीद है। इसरो की सैटेलाइट इनसैट-3डीएस को बीती 17 फरवरी को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। इनसैट-3डीएस को जीएसएलवी एफ-14 लॉन्च व्हीकल से अंतरिक्ष में भेजा गया था।

दिग्विजय का ईवीएम राग पहुंचा दिल्ली

शामतक, भोपाल। यूपीए सरकार के समय से ईवीएम के खिलाफ मोर्चा संभालने वाले मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा प्रदेश में विरोध के बाद आज दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने पर दिल्ली स्थित युवक कांग्रेस कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया। पत्रकारों से चर्चा करते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि एआईसीसी के 2018 में हुए अधिवेशन के राजनीतिक प्रस्ताव में उल्लेख है कि जनमानस में ईवीएम से चुनाव को लेकर शंका है इसलिए मतपत्र से चुनाव कराए जाए। इस बात को लेकर पूरे देश में धरना प्रदर्शन किया जा रहा है । ईवीएम को लेकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी संदेह है। ईवीएम बनाने वाली कंपनी के चार डायरेक्टर भाजपा के हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने भी अपने समर्थकों के साथ धरने में शामिल हुए।

भदभदा पर अतिक्रमण विरोधी कार्वाई जारी

शामतक, भोपाल। राजधानी भोपाल के भदभदा गेट के पास लगभग 400 झुग्गियों व अस्थाई निर्माण को जमीदोज करने की कल से शुरू हुई कार्रवाई आज भी जारी है। कल जिला प्रशासन ने 30 अस्थाई मकान को जमींदोज किया था तो आज लगभग 100 मकान को जमींदोज किया जा रहा है। कल भारी विरोध के बाद अधिकांश अतिक्रमणकारियों ने जिला प्रशासन की तरफ से दी जा रही सुविधाओं को लेकर दूसरी जगह शिफ्ट हो रहे हैं।

शामतक, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश लोकसभा प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने भारतीय जनता पार्टी, प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को प्रदेश पदाधिकारी एवं संभाग प्रभरियों की बैठक को संबोधित किया।

बॉर्डर पर बंकर बना रहे किसान, पुलिस ने चेतावनी से पहले दागे आंसू गैस के गोले

शंभू बॉर्डर/पटियाला

शंभू बॉर्डर पर किसानों और हरियाणा पुलिस के बीच टकराव जारी है। किसान जैसे ही एक कदम आगे बढ़ाते हैं, उन पर एक बार में कम से कम 25 से 30 आंसू गैस के गोले दागे जाते हैं। किसानों ने भी रेत की बोरियों से बंकर बना कर त्रिकोणीय रणनीति बनाई है। यह मंजर देख ऐसा लगता है मानो किसानों पर आंसू गैस के गोले नहीं, बल्कि किसी जंगी कार्वाई में ग्रेनेड से हमला हो रहा है। लगातार आंसू गैस के गोले का धमाका किसी को बहरा तक कर सकता है। बुधवार को किसानों को खदड़ने के लिए हरियाणा पुलिस .आराम से ड्रोन के जरिये आंसू गैस के गोले दागती रही। पंजाब की सरहद में 200 से 300 मीटर अंदर घुसकर किसानों पर गोले दागे जा रहे हैं।

कुछ मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत की जरूरत किसान आंदोलन पर बोले कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा

रांची। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा किसानों के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि किसानों के साथ किसानों के मुद्दे पर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। किसानों को समझाया गया है कि चर्चा के जरिए हल निकाला जाएगा। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने उन्हें बताया है कि केवल चर्चा से ही इस मामले का हल निकाला जाएगा। हमें एक साथ मिलकर हल निकालना चाहिए, जिससे की ये सबसे लिए लाभदायक हो। मुझे उम्मीद है कि एकसाथ हम हल निकाल लेंगे। किसानों के दिल्ली कूच को लेकर अर्जुन मुंडा ने कहा, मैं कहना चाहूंगा कि किसानों के साथ कई दौर की बातचीत हुई। कुछ मुद्दों की सहमति के लिए दोनों पक्षों को और मेहनत करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार किसानों के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है और वह ऐसा ही कर रही है।

आप-कांग्रेस के बीच गठबंधन लगभग तय, 4-3 के फॉर्मूले पर बनी बात

एजेंसी, नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव में दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं। आम आदमी पार्टी चार और कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में गठबंधन के लिए तीन सीटों की पेशकश की है। इसपर लगभग सहमति बन गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस को आम आदमी पार्टी ने चांदनी चौक सीट देने का प्रस्ताव दिया है। इसके अलावा पूर्वी दिल्ली और नॉर्थ ईस्ट सीट कांग्रेस को देने का प्रस्ताव भी दिया है। आप की तीन सीटों की पेशकश पर दोनों दल सहमत हो गए हैं। ऐसे में कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। वहीं, आम आदमी पार्टी नई दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और नॉर्थ वेस्ट दिल्ली सीट से चुनाव लड़ सकती है। इसका औपचारिक एलान होना बाकी है। जो आज हो सकता है। कल कांग्रेस की समाजवादी पार्टी से यूपी और मप्र को लेकर सहमति बनी थी।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ने पति के साथ हवन-पूजन के बाद किया गृहप्रवेश, उज्जैन से बुलाए गए थे ब्राह्मण

एजेंसी, अमेठी। केंद्रीय मंत्री और अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी ने हवन पूजन के बाद बृहस्पतिवार को अपने नए घर में गृह प्रवेश किया। इस मौके पर उज्जैन से आए विद्वान ब्राह्मणों द्वारा गृह प्रवेश की पूजा संपन्न कराई गई। जिसके बाद सांसद ने अपने आवास में गृह प्रवेश किया। सांसद के साथ उनके पति जुबिन ईरानी भी मौजूद रहे। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री सुरेश पासी, जिलाधिकारी निशा अनंत, एसपी डॉ इलमारन जी समेत भाजपा जिलाध्यक्ष और बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री और सांसद स्मृति ईरानी ने 2021 में गौरीगंज तहसील के मेदन मवई गांव में 11 बिस्वा जमीन खरीदी थी। इसी जमीन पर सांसद का आलीशान मकान बनकर तैयार हो गया जिसमें सांसद स्मृति ईरानी ने गृह प्रवेश किया है। स्मृति ईरानी ने पहली बार 2014 में अमेठी से चुनाव लड़ा था। हालांकि, पहली बार में उन्हें हार मिली थी। इसके बाद भी उन्होंने लोकसभा क्षेत्र में आना नहीं छोड़ा और 2019 के चुनाव में जीत हासिल की।

सीजेआई डी वाई चन्द्रचूड़ ने शीर्ष अदालत के पसिर में आयुत होलिस्टिक वेलनेस सेंटर का किया उद्घाटन

वेलनेस सेंटर खुलने पर चंद्रचूड़ ने साझा की यादें, कहा- जब मुझे कोरोना हुआ था तब पीएम ने फोन कर कहा था कि सब ठीक हो जाएगा

एजेंसी ,नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट परिसर में अब लोगों को इलाज भी मिल सकेगा। गुरुवार को भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने शीर्ष अदालत के परिसर में आयुष होलिस्टिक वेलनेस सेंटर का उद्घाटन किया। सीजेआई ने कहा, मेरे लिए यह पल काफी संतोषजनक है। मैं तब से इस पर काम कर रहा हूं जब से मैंने सीजेआई के रूप में पदभार संभाला है। मैं आयुर्वेद और समग्र जीवन शैली का समर्थक रहा हूं। हमारे पास 2000 से अधिक कर्मचारी हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें न केवल न्यायाधीशों और उनके परिवारों, बल्कि स्टाफ सदस्यों के जीवन जीने के तरीके को देखना चाहिए। मैं आयुष के सभी डॉक्टरों का बहुत आभारी हूं। हम इसे सर्वोच्च न्यायालय और इसके माध्यम से पूरे देश के लिए अनावरण कर रहे हैं। इतना ही नहीं सीजेआई चंद्रचूड़ ने पीएम मोदी के फोन का एक वाक्या साझा किया। उन्होंने बताया, मैं कोरोना के बाद से ही आयुष से जुड़ा हुआ हूं। मुझे कोविड हुआ था, तब मेरी हालात काफी खराब थी। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे फोन किया और कहा कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। इतना ही नहीं, पीएम मोदी ने यह भी कहा था कि मुझे एहसास है कि आपकी तबियत सही नहीं है, लेकिन हम सब कुछ करेंगे। एक वैद्य हैं, जो आयुष में सचिव भी हैं। उनके साथ आपकी बात करवाऊंगा। वह आपको दवा देंगे।

न्यूज बाक्स

रुपया चार पैसे बढ़त के साथ 82.92 डॉलर

मुंबई । अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.92 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि कमजोर घरेलू बाजार और कच्चे तेल की उच्ची कीमतों का भारतीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.94 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 82.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.96 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.87 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83.14 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

नोएडा में पेट्रोल-डीजल महंगा, पटना में हुआ सस्ता

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें जारी कर दी हैं। गुरुवार को भी कई शहरों में तेल की कीमतों में बदलाव दिख रहा है। बिहार में जहां लगातार दूसरे दिन तेल के दाम घटे हैं, वहीं यूपी के कुछ शहरों में सस्ते हुए तो कुछ जगह कीमतों में उछाल दिख रहा है। इस बीच वैश्विक बाजार में भी क्रूड का भाव 83 डॉलर प्रति बैरल के पार कर गया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार नोएडा में गुरुवार को पेट्रोल 6 पैसे महंगा होकर 96.65 रुपये लीटर हो गया। यहां डीजल भी 6 पैसे चढ़ा और 89.82 रुपये लीटर बिक रहा है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 10 पैसे सस्ता होकर 96.47 रुपये लीटर तो डीजल 10 पैसे गिरकर 89.66 रुपये लीटर हो गया है। इसके अलावा बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल भी 35 पैसे सस्ता हुआ और 107.24 रुपये लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 32 पैसे गिरावट के साथ 94.04 रुपये लीटर बिक रहा है। वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में उछाल दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 83.03 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। डब्ल्यूटीआई भी चढ़कर 78.14 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

ब्लूस्मार्ट ने टाटा पावर ट्रेडिंग कंपनी के साथ बिजली खरीद समझौते पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी, नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी राइड हेलिंग सेवा प्रदाता ब्लूस्मार्ट ने हरित ऊर्जा के स्रोत के लिए टाटा पावर ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के साथ एक बहु-वर्षीय बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

ब्लूस्मार्ट ने एक बयान में कहा, बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत टाटा पावर ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा राजस्थान के बीकानेर जिले में टाटा पावर के 200 मेगावाट के सौर पीवी बिजली संयंत्र से 30 मेगावाट क्षमता प्राप्त की जाएगी। ब्लूस्मार्ट के सह-संस्थापक पुनित गोयल ने कहा, हम बड़े पैमाने पर गतिशीलता को पूरी तरह से कार्बन मुक्त करने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

हम अपने ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे को 100 प्रतिशत स्वच्छ बिजली के साथ शक्ति प्रदान करते हैं। इस दिशा में टाटा पावर के साथ अपने गठबंधन को और मजबूत करने के लिए उत्साहित हैं। टीपीटीसीएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण कटियार ने कहा, ब्लूस्मार्ट के साथ हमारी साझेदारी उन्हें देश में कार्बन मुक्त गतिशीलता लाने में मदद करेगी। हम अपने टिकाऊ, अभिनव और किफायती ऊर्जा समाधानों के जरिए अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में कई उद्योगों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ब्लूस्मार्ट करीब 6,000 ईवी संचालित करती है। यह दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और बेंगलुरु में अपने 35 ईवी चार्जिंग हब में 4,000 ईवी चार्जर का स्वामित्व तथा संचालन भी करती है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर खुले

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से गुरुवार के कारोबारी दिन शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली। गुरुवार 22 फरवरी को बाजार गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट देखने को मिल रही है लेकिन बैंक निफ्टी करीब 100 अंक नीचे गिरकर कारोबार करता हुआ दिखाई दिया। सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी आईटी में मजबूत कारोबार होता हुआ नजर आया। सेंसेक्स 45 अंक नीचे 72,578 पर शुरुआती कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी 3 अंक नीचे 22,052 के स्तर पर है। बैंक निफ्टी भी 65 अंक गिरकर 46,953 पर शुरुआती कारोबार कर रहा है। शुरुआत में निफ्टी लाल निशान में खुला। प्री ओपनिंग में शुरुआत में निफ्टी 100 अंक नीचे नजर आया। लेकिन उसके बाद इसमें अच्छी रिकवरी होकर मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में नजर आ रहा था। भारतीय शेयर बाजार में पिछले छह ट्रेडिंग सेशन से जारी तेजी पर बुधवार को ब्रेक लग गई जिससे स्टॉक मार्केट गिरकर बंद हुई। अमेरिकी की ब्याज दरों में जल्द कोई कटौती की उम्मीद कम होने के कारण आईटी शेयरों और एनर्जी स्टॉक्स में गिरावट के चलते बाजार गिरकर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स बुधवार को पिछले बंद भाव 73,057.40 के मुकाबले उछलकर 73,267.48 पर खुला और कारोबार के दौरान एक इससे ऊपर नहीं गया। अंत में सेंसेक्स 434.31 अंक की गिरावट लेकर 72,623.09 पर बंद हुआ।

किसानों को दलहन और तिलहन की उपज बढ़ानी होगी: नीति आयोग

» 2047-48 तक देश में दलहन-तिलहन की मांग उपज से ज्यादा हो जाएगी

एजेंसी, नई दिल्ली । नीति आयोग की एक नई रिपोर्ट में बताया गया है कि किसानों को जल्द से जल्द गेहूं और चावल के बजाय दलहन और तिलहन की खेती बढ़ानी पड़ेगी। रिपोर्ट कहती है कि 2047-48 तक देश में दलहन-तिलहन की मांग उपज से ज्यादा हो जाएगी और उसे काबू में करने के लिए, गेहूं-चावल उगाने वाले किसानों को इन फसलों का रुख करना पड़ेगा।

कृषि में मांग और आपूर्ति अनुमान पर कार्य समूह की यह रिपोर्ट जारी की गई है, जिसके मुताबिक सामान्य स्थिति में 2047-48 तक भारत में दलहन का उत्पादन बढ़कर 4.7 करोड़ टन हो जाएगा, जो 2019-20 में करीब 2.3 करोड़ टन था। मगर इस दौरान मांग बढ़कर तकरीबन 4.9 करोड़ टन हो जाएगी, जिस हिसाब से करीब 20 लाख टन दलहन की कमी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि दलहन की मौजूदा उपज मांग को पूरा करने के लिए काफी नहीं है। अगर इसका रकबा और उत्पादन नहीं बढ़ा तो यह अंतर आगे भी बना रह सकता है। खाद्य तेलों के मामले में भी स्थिति ऐसी ही है। रिपोर्ट के अनुसार 2047-48 तक तिलहन की मांग बढ़कर 3.1 करोड़ टन हो जाएगी, जो 2019-20 में 2.2 करोड़ टन थी। लेकिन इस दौरान खाद्य तेलों का उत्पादन 2019-20 के 1.2 करोड़ टन से बढ़कर करीब 2.4 करोड़ टन ही हो पाएगा। ऐसे में मांग और आपूर्ति के बीच करीब 70 लाख टन का अंतर आ जाएगा।

गेहूं का उत्पादन भी भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त होने की उम्मीद है। इतना ही नहीं 2030-31 में 1.9 से 2.6 करोड़ टन और 2047-48 में 4 से 6.7 करोड़ टन गेहूं अधिशेष भी रह सकता है यानी जरूरतें पूरी होने के बाद भी देश में इतना गेहूं बचा रहेगा।

रिलायंस आईआईटीएस मिलकर बनाएगी देसी एआई चैटबॉट हनुमान

नई दिल्ली। भारत के कारोबारी प्रमुख और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अगले महीने चैटबॉट के जैसा एआई चैटबॉट हनुमान को लॉन्च करने वाले हैं। इसे तैयार करने के लिए कंपनी देश के 8 आईआईटीएस का कंसोर्टियम के साथ मिलकर तैयार कर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर में भारत के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि साबित होने जैसा होगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज और देश के 8 आईआईटी द्वारा समर्थित भारतजीपीटी ग्रुप ने मुंबई में एक टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस के दौरान ये एआई चैटबॉट की झलक दिखाई। इस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक वीडियो में दक्षिण भारत में एक मोटरसाइकिल मैकेनिक ने तमिल भाषा में एआई बॉट से बात की। इसके अलावा, एक बैंकर ने हिंदी में बॉट से बातचीत की और एक हैदराबाद के डेवलपर ने कंप्यूटर कोड लिखने के लिए इस बॉट का इस्तेमाल किया। एक रिपोर्ट के अनुसार इस एआई मॉडल को हनुमान नाम दिया गया है। अगर यह मॉडल सफल रहा तो भारत के लिए यह एआई की दुनिया में एक मील का पत्थर साबित होगा। आईआईटी बॉम्बे के कंप्यूटर विज्ञान और एक इंजीनियर ने बताया कि यह एक लार्ज लैंग्वेज मॉडल है। भारत जीपीटी का यह मॉडल हेल्थ केयर, गवर्नेंस, फाइनेंशियल सर्विसेज और एजुकेशन जैसे चार मुख्य क्षेत्रों में 11 स्थानीय भाषाओं में काम करेगा। इसके अलावा, हनुमान के पास स्पीच-टू-टेक्स्ट कैपेबिलिटी भी होगी। उन्होंने कहा कि रिलायंस जियो स्पेसिफिक यूजर्स के लिए कस्टमाइज्ड मॉडल्स बनाएगा।

सोने की चमक बढ़ी, चांदी में भी इजाफा

सोना 62 हजार से अधिक, चांदी लगभग 71 हजार रुपए

एजेंसी, नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा भाव गुरुवार को भी तेजी के साथ खुले। हालांकि बुधवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुलने के बाद कारोबार के अंत में गिरावट के साथ बंद हुए थे। सोने के वायदा भाव 62 हजार रुपये के ऊपर, जबकि चांदी के वायदा भाव 71 हजार रुपये से नीचे कारोबार कर रहे हैं।

वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 47 रुपये की तेजी के साथ 62,155 रुपये के भाव पर खुला और 21 रुपये की तेजी के साथ 62,129 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 105 रुपये की तेजी के साथ 70,724 रुपये के भाव पर खुला और 91 रुपये की तेजी के साथ 70,700 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,036.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,034.30 डॉलर था। फिलहाल यह 2.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,036.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.93 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.87 डॉलर था और यह 0.05 डॉलर की तेजी के साथ 22.92 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा थी।

लंदन में हुई आलिया भट्ट की क्राइम सीरीज पोचर की स्पेशल स्क्रीनिंग

एक्ट्रेस आलिया भट्ट की क्राइम सीरीज पोचर की स्पेशल स्क्रीनिंग हाल ही में लंदन में हुई है। आलिया इन दिनों वेब सीरीज पोचर को लेकर चर्चा में है। इस सीरीज के साथ बतौर एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर वो जुड़ी है। ये सच्ची घटनाओं पर बेस्ड है जो भारतीय इतिहास में हाथी दांत के अवैध शिकार के सबसे बड़े गिरोह का पता लगाती है।

इसका प्रीमियर 23 फरवरी को होने वाला है। हाल में लंदन में इस अपकमिंग अमेजन ओरिजिनल की एक स्पेशल स्क्रीनिंग होस्ट की गई जहां फिल्म देखने आए गेस्ट्स से इसकी खूब तारीफ की और बेहद पॉजिटिव और प्रॉमिसिंग रिएक्शन के साथ इसका स्वागत किया। इस सीजीज को एमी पुरस्कार विजेता फिल्ममेकर रिची मेहता ने लिखा, क्रिएट किया और डायरेक्ट किया है। क्यूसी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित पोचर में निमिषा सजयन, रोशन मैथ्यू और दिब्येंदु भट्टाचार्य सहित कई टैलेंटेड एक्टर्स शामिल हैं।

इसकी कहानी भारतीय वन सेवा अधिकारियों, एनजीओ कार्यकर्ताओं, पुलिस कांस्टेबलों और अच्छे लोगों के एक ग्रुप पर आधारित है जिन्होंने इस इन्वेस्टिगेटिव को ट्रैक करने की कोशिश में अपनी जान जोखिम में डाल दी।

सीरीज के प्रचार के लिए रिची मेहता, प्राइम वीडियो इंडिया में कंटेंट लाइसेंसिंग के निर्देशक, मनीष मेंघानी, एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर, आलिया भट्ट और क्यूसी एंटरटेनमेंट के प्रिंसिपल रेमंड मैन्सफील्ड और सीन मैककिट्रिक लंदन गए। इस दौरान फ्रीडा पिंटो, गुरिंदर चड्ढा, मीरा सयाल, अनु मेनन, सोनी राजदान, शाहीन भट्ट सहित मशहूर फिल्म मेकर्स, वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन ऑर्गेनाइजेशन और मीडिया के सदस्यों ने स्पेशल प्रिव्यू में हिस्सा लिया।

दैनिक पंचांग

22 फरवरी 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.37 बजे से
चंद्र	कर्क में	मेष	09.07 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	10.47 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.45 बजे से
गुरु	मेष में	कर्क	14.59 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	17.15 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.27 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.38 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.52 ब.से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		धनु	02.08 बजे से
		मकर	04.13 बजे से
		कुंभ	06.00 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 53 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु शिशिर।
विक्रम संवत् 2080 शक संवत् 1945
मास माघ पक्ष शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 13.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 16.43 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 12.12 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 13.22 बजे तदनन्तर गर 02.26 बजे रात को समाप्त।
चन्द्रायु 12.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 28'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871897
जूलियन दिन 2460362.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना साबान तारीख 11
विशेष गुरु हरराय, प्रभु नित्यानंद जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

विनी हार्लो के साथ तस्वीर शेयर की करीना ने

दुबई में कनाडाई फैशन मॉडल विनी हार्लो के साथ एक्ट्रेस करीना कपूर खान एक तस्वीर शेयर की। पहली तस्वीर में, वह ओसियन ग्रीन शिमरी ड्रेस पहने हुए मिरर सेल्फी ले रही है। एक्ट्रेस ने इसे कैप्शन दिया-इस तरह जागी। दूसरी तस्वीर में वह लिफ्ट के मिरर में भी सेल्फी क्लिक कर रह है और लिखा-और इस तरह बिस्तर पर। इसके बाद एक्ट्रेस ने हार्लो के साथ एक तस्वीर साझा की, जो विटिलिगो स्किन को लेकर पब्लिक स्पोकपर्सन भी हैं। इवेंट में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही करीना ने लिखा, खूबसूरत विनी हार्लो के साथ। बता दें, विनी हार्लो ने 2014 में टीवी सीरीज अमेरिका नेक्स्ट टॉप मॉडल से सुर्खियां बटोरीं। 2016 में, वह विक्टोरिया सीक्रेट फैशन शो में चलने वाली विटिलिगो से पीड़ित पहली मॉडल बनीं। हार्लो बेयोंसे द्वारा निर्देशित विजुअल एल्बम बेयोंसे-लेमोनेड में भी दिखाई दी हैं। बता दें कि करीना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में एक इवेंट की कई तस्वीरें साझा कीं।

आज का राशिफल

मेष- प्रॉपर्टी के किसी काम के लिए आपकी भागदौड़ अच्छा नतीजा देगी, इज्जत-मान की प्राप्ति, जनरल तौर पर भी आप हर फ्रंट पर हावी, विजयी रहेंगे।

वृष- किसी बड़े व्यक्ति के सहयोग के साथ आपको अपनी किसी समस्या को सुलझाने में मदद मिलेगी, शत्रु भी आपकी पकड़ में रहेंगे।

मिथुन-सितारा आमदन वाला, कारोबारी टूरिंग भी लाभ देगी, यत्न करने पर आपकी कामकाजी प्लानिंग में कोई पेचीदगी हट सकती है।

कर्क- अर्थ तथा कारोबारी दशा अच्छी, जिंदादिल होते अपने मन पर कंट्रोल रखना हितकर रहेगा, सैर-सफर के लिए भी मन राजी रहेगा।

सिंह- खर्च जायज कामों पर होगा, लेन-देन तथा लिखत-पढ़त के कामों को भी सावधानी के साथ निपटाएं, धन का व्हराव भी कम होगा।

कन्या- ड्रिंक, केमिकल, रंग-रोगन, पेट्रोलियम तथा सी-प्रोडक्ट्स का काम करने वालों को अपने कामों में भरपूर लाभ मिल सकता है।

तुला- सरकारी तथा गैर-सरकारी कामों में कामयाबी मिलेगी, शत्रु आपके समक्ष ठहर न सकेंगे, हालात भी अनुकूल चलेंगे।

वृश्चिक-यत्न करने पर आपकी प्लानिंग अच्छा रिजल्ट देगी, धार्मिक कामों में रुचि, कामकाजी कोशिशें भी सिरे चढ़ेंगी।

धनु- पूरा परहेज रखने के बावजूद पेट में कुछ न कुछ गड़बड़ी रहेगी, मगर कामकाजी दशा संतोषजनक, शुभ कामों में ध्यान।

मकर- व्यापार तथा कामकाज की दशा अच्छी, जिस काम के लिए यत्न करेंगे, उसमें कुछ न कुछ कामयाबी मिलेगी, तबीयत में जिंदादिली रहेगी।

कुम्भ- कमजोर दिखने वाले शत्रु को भी कमजोर समझने की भूल न करनी चाहिए क्योंकि वह आपके साथ टकराव से बचेगा नहीं।

मीन- तान के सुपोर्टिव तथा सहयोगी रुख पर भरोसा किया जा सकता है, उद्देश्य प्रोग्राम भी मैच्योर होगा, मान-सम्मान की प्राप्ति।

आयशा टाकिया को क्यों ट्रोल कर रहे लोग

वांटेड गर्ल आयशा टाकिया एक समय पर बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्री में से एक थीं। उनकी मासूमियत और खूबसूरती के कई दीवाने थे। करियर में अच्छा कर रही आयशा टाकिया शादी के बाद फिल्मों से दूर हो गई थी। इतना ही नहीं उन्हें पब्लिक प्लेस पर भी बेहद कम देखा गया है। सुर्खियों से काफी दूर रहने के बाद आयशा टाकिया को दिखाई दीं। आयशा की झलक एयरपोर्ट पर मिली जब वे अपने बेटे मिकाइल के साथ थीं। इस दौरान आयशा को पहचानना काफी मुश्किल था। इसके बाद लोगों ने आयशा को बेरहमी से ट्रोल किया।

आज का इतिहास 22 फरवरी

1495 फ्रांस नरेश चार्ल्स आठवें के नेतृत्व में सेना नेपल्स (इटली) पहुंची.
1724 स्वीडन और रूस ने आपसी सहायता संबंधी समझौता किया.
1732 अमरीका के प्रथम राष्ट्रपति वाशिंगटन का जन्म.
1788 जर्मन दार्शनिक आर्थर शोपेन हावर का जन्म.
1848 लुई फिलिप के शासन की असफलताओं के कारण पेरिस में विद्रोह हुआ.
1942 द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फिलीपींस में जनजातियों ने बड़ी संख्या में जापानी सैनिकों का सफाया कर दिया.
1944 महात्मा गांधी की पत्नी श्रीमती कस्तूरबा गांधी का निधन.
1958 मौलाना अबुल कलाम आजाद का निधन.
1964 घाना में एकदलीय शासन व्यवस्था लागू हुई.
1966 युगांडा के प्रधानमंत्री मिल्टन ओबोटे ने अपने मंत्रिमंडल के पांच सहयोगियों की गिरफ्तारी के आदेश दिए.
1975 इथोपिया में सैनिकों के साथ संघर्ष दो हजार से अधिक छापामार मारे गए.
1989 अमरीकी राष्ट्रपति जार्ज बुश ने चीन,जापान और दक्षिण कोरिया की यात्रा के लिए रवाना हुए.
1990 मंगोलिया की राजधानी उलान बतोर से स्टालिन की अंतिम मूर्ति भी हटा दी गई.

लॉफिंग जोन

रामलाल बहुत घबराया हुआ थाने पहुंचा. थानेदार ने जब घबराहट का कारण पूछा तो वह बोला, 'मेरी पत्नी मायके गई हुई है.'

मैं आज सुबह जब सो कर उठा तो देखा मेरे कमरे की अलमारी खुली थी, मेरा कीमती सामान व रुपए चोरी हो चुके थे. सब कुछ अस्त-व्यस्त था, 'संदूक टूटे हुए मिले. मेरे तो हाथों के तोते ही उड़ गए.'

थानेदार ने कलम उठाई और तुरंत बोला, 'कुल कितने तोते थे.'

☺ ☺ ☺

मीना (सीमा से) - तुम्हें नहीं लगता कि लगातार नींद की गोलियां खाने से इनकी आदत पड़ जाती है.

सीमा - बिल्कुल नहीं, मैं तो पिछले आठ साल से खा रही हूं, मुझे तो इनकी आदत नहीं पड़ी?

☺ ☺ ☺

प्रेमिका (प्रेमी से) - तुम जल्दी से बताओ कि मुझसे शादी करोगे कि नहीं?

प्रेमी (प्रेमिका से) - मैं इतनी जल्दी कुछ नहीं कह सकता.

प्रेमिका (प्रेमी से) - मुझे अभी जवाब चाहिए, क्योंकि आज ही मुझे औरों से भी यही सवाल करना है.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 6401

ऊपर से नीचे-

[illegible]

बायें से दायें-

[illegible]

फिल्म वर्ग पहेली- 6400

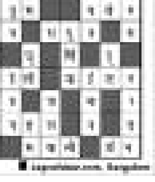

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

वेटनरी अस्पताल के सामने बाइक सवार तीन युवकों का हुआ एक्सीडेंट, एक युवक की मौत

शाम तक, भोपाल। *राजधानी के अरेरा हिल्स थाना इलाके में बने पशु चिकित्सालय के सामने रात 11 बजे एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों के एक्सीडेंट में गाड़ी चला रहे युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी सुनील मेहर ने बताया कि रात 11 बजे तीन दोस्त अपनी बाइक पर सवार होकर जा रहे थे इसी दौरान उनकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि एक्सीडेंट किस वजह से हुआ है।*

पुलिस को सूचना मिली की एंबुलेंस के द्वारा इन तीनों घायल युवकों को जेपी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने गांधीनगर निवासी 18 साल के समीर उर्फ भोला को मृत घोषित कर दिया और उसके पीछे बैठे उसके दो दोस्त हबीबगंज शिवाजी नगर निवासी शिवम और बैरागढ़ निवासी रमेश नागड़े नाम का युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों दोस्त के होश में आने पर ही पता चलेगा कि उनका एक्सीडेंट किस वजह से हुआ

है। पुलिस ने इस मामले में फिलहाल मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

उधर 20 फरवरी को गुनगा थाना इलाके में दोपहर 3 बजे 30 साल के दीनदयाल निवासी गुनगा की इस इलाके में एक्सीडेंट से मौत होने का मामला भी सामने आया। दीनदयाल अपनी बाइक से घर लौट रहा था कि अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना में दीनदयाल गंभीर रूप से घायल हो गया था उसे इसी इलाके के आरोग्य निधि अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां बुधवार शाम उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में भी मर्ग कायम किया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

एक विवाहिता महिला ने फांसी लगाकर और दूसरी ने जहर खाकर की आत्महत्या

शाम तक, भोपाल। राजधानी में विवाहित महिलाओं द्वारा लगातार आत्महत्या करने के मामले तेजी के साथ बढ़ते जा रहे हैं। राजधानी के परवलिया थाना इलाके के मुगलिया हॉट में बीती आधी रात को यहां रहने वाली 26 साल की सरिता अहिरवार ने अपने कमरे में फांसी का फंदा तैयार किया और उस पर लटक कर अपनी जान दे दी। इस मामले में पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सरिता के शव को फांसी के फंदे से उतरा और एम्स अस्पताल ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम किया है और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

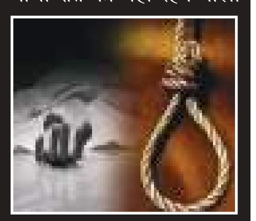

उधर मिसरोद थाना इलाके में रहने वाली एक 38 साल की विवाहिता के भी जहर खाने से मौत होने का मामला सामने आया हैं। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि इस इलाके में रहने वाली 38 साल की सुमन पत्नी मदनलाल ने दोपहर के समय अपने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया और उसके बाद सुमन बेहोश हो गई। परिजन उसे एम्स अस्पताल ले गए जहां देर शाम उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में भी मर्ग कायम किया और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

शुगर पेशेंट युवती की अस्पताल में हुई मौत, परिजनों ने गलत इंजेक्शन लगाने का लगाया आरोप

शाम तक, भोपाल । राजधानी के कोहेफिजा इलाके में शुगर बीमारी से पीड़ित एक युवती की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत होने का मामला सामने आया है। इस मामले में परिजनों ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है।

इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि लालघाटी इलाके में 24 साल की करिश्मा सेन रहती थी वह इस इलाके के पंचवटी कॉलोनी स्थित अस्पताल में 7 दिन से भर्ती थी बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई। इस मामले में परिजनों ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए अस्पताल कर्मचारियों के विरुद्ध गलत इंजेक्शन लगाकर उनकी बेटी की जान लेने का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले में अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज कार्यवाही शुरू कर दी है।

परिवहन मंत्री सिंह से मिले डेफ केन फाउण्डेशन के प्रतिनिधि

मूक-बधिरों के भी बनाये जायें ड्रायविंग लायसेंस

शाम तक, भोपाल। डेफ केन फाउण्डेशन के प्रतिनिधियों ने मंत्रालय में परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह से मुलाकात की। उन्होंने ज्ञापन देकर परिवहन मंत्री से मांग की कि अन्य प्रदेशों की तरह मध्यप्रदेश में भी मूक-बधिरों के परीक्षण के बाद ड्रायविंग लायसेंस तैयार किये जायें। संस्था की सचिव सुश्री प्रीति सोनी ने बताया कि तमिलनाडु, दिल्ली और गुजरात में मूक-बधिरों को ड्रायविंग लायसेंस सामान्य व्यक्तियों के साथ ही समस्त औपचारिकता के बाद दिये जा रहे हैं। हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने इस संबंध में आदेश जारी किये हैं।

परीक्षण के बाद मध्यप्रदेश में भी बनेंगे लायसेंस

परिवहन मंत्री सिंह ने चर्चा के बाद प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि परीक्षण के बाद मध्यप्रदेश में भी मूक-बधिरों के ड्रायविंग लायसेंस बनाये जायेंगे। इसके लिये विभाग के अधिकारियों को निर्देश जारी किये जा रहे हैं। डेफ केन फाउण्डेशन का कार्यालय भोपाल के एफ-34, न्यू मिनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड पर है। केन फाउण्डेशन मूक-बधिरों के कल्याण और शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहा है।

बिल्डर पर डाल रहा था चार लाख की अड़ी, पुलिस ने दर्ज किया मामला

शाम तक, भोपाल। राजधानी के चूना भट्टी इलाके में रहने वाले एक बिल्डर पर उसी का ठेकेदार 4 लाख की अड़ीबाजी कर रहा था । बिल्डर की रिपोर्ट पर पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ अड़ीबाजी का मामला दर्ज किया है। इस मामले की जानकारी देते हुए सब इंस्पेक्टर कन्हैया लाल ने बताया कि चूना भट्टी की माउंट न्यू विला कॉलोनी में नितिन अग्रवाल रहते हैं वह बिल्डर हैं और उन्होंने 2021 में पीपुल्स मॉल के पीछे एक कॉलोनी बनाई थी।

इस कॉलोनी में आसिफ खान नाम का व्यक्ति ठेकेदार था। इस कॉलोनी निर्माण के दौरान दो मजदूर दीवार गिरने से उसके नीचे दब गए थे जिन्हें गंभीर चोटे आई थी। उन मजदूरों का इलाज नितिन अग्रवाल ने कराया था परंतु ठेकेदार आसिफ नितिन अग्रवाल पर अड़ी डालते हुए धमकी दे रहा था कि उसने मजदूरों का इलाज कराया है और उसका इलाज में चार लाख रुपए खर्च हुआ है। इसी बात को लेकर वह आए दिन नितिन अग्रवाल से तकाजा कर रहा था और धमकी दे रहा था। नितिन की रिपोर्ट पर पुलिस ने आसिफ खान के खिलाफ अड़ीबाजी का मामला दर्ज किया है और कार्रवाई शुरू कर दी है।

तुलसी नगर इलाके में दो घरों का ताला तोड़कर एक लाख के मोबाइल हुए चोरी

शाम तक, भोपाल। *राजधानी के टीटी नगर थाना इलाके की तुलसी नगर में चोरों ने दो सूने घरों का ताला तोड़कर करीब एक लाख रुपए के चार मोबाइल चोरी कर लिए। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि तुलसी नगर में रहने वाले कन्हैया रावत अपने परिजनों के साथ शहर के बाहर गए हुए थे। चोरों ने मौका देखकर ताला तोड़ा और घर के अंदर रख दो साठ हजार रूपए के मोबाइल चोरी कर फरार हो गए।*

वहीं चोरों ने 16 फरवरी को राहुल सेन के सूने घर का ताला तोड़ा और 40 हजार रुपए के मोबाइल चोरी कर रफूचक्कर हो गए। पुलिस ने दोनों ही मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। उधर अशोका गार्डन थाना इलाके की नई बस्ती कोलुआ क्षेत्र में तुलाराम मीणा के घर चोरों ने ताला तोड़कर एक लाख रुपए के सोने चांदी के जेवर चोरी कर लिए। पुलिस इस मामले में भी अज्ञात चोर के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कर्मचारियों को आयुष्मान योजना का लाभ लेने पर बनी समिति पर कर्मचारियों को आपत्ति

शाम तक, भोपाल। *मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कर्मचारियों को आयुष्मान योजना का लाभ लेने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बनी 9 सदसीय समिति पर आपत्ति है। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव उमाशंकर तिवारी ने बताया कि भारत में अप्रैल 2018 से शुरू हुई आयुष्मान योजना में आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का लाभ 10 करोड़ परिवारों के 50 करोड लोगों को मिल रहा है।*

इस योजना के तहत बगैर किसी समिति के आयुष्मान योजना का लाभ दिया गया है उन्हें पात्रता के हिसाब से लाभ मिल गया। मध्य प्रदेश में भी 1 करोड़ 48 लाख लोगों को आयुष्मान योजना के तहत लाभ मिल रहा है। वहीं प्रदेश के कर्मचारियों को आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के दायरे में लाने के लिए काफी समय से जो मांग की जा रही थी जिसे देखते हुए योजना का लाभ कर्मचारियों को देने के लिए सरकार ने 9 फरवरी 2024 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 9 सदस्य समिति का गठन कर दिया गया है। इस समिति की रिपोर्ट देने की समय सीमा भी तय नहीं होने से समय पर कर्मचारियों को समय पर आयुष्मान योजना का लाभ मिलने की गुंजाइश काफी कम है।

तिवारी ने कहा कि किसी भी आम इंसान को आयुष्मान का लाभ देने के लिए भारत सरकार हो या राज्य सरकार कोई समिति नहीं बनाई लेकिन कर्मचारियों जो कि शासन के अंग होते हैं। शासकीय कार्य संपन्न करते हैं उनके लिए समिति गठन की गई है। इससे यह जाहिर होता है कि सरकार को अपने ही कर्मचारियों पर विश्वास नहीं है तिवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग की जिस प्रकार से आम इंसानों के लिए लागू की गई है। उसी प्रकार प्रदेश के 7.50 लाख कार्यरत एवं 4 लाख 50 हजार सेवानिवृत कर्मचारियों को योजना में शीघ्र शामिल किया जाए ताकि कर्मचारी व उसके परिवार को आयुष्मान योजना के तहत स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

न्यूज बाक्स

घरेलू हिंसा एवं महिला संबंधी अपराधों से पीड़ित महिलाओं की मानसिक स्थिति पर ध्यान दें : एडीजी प्रज्ञा

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस राज्य की महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें सुरक्षित व भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए समय-समय पर निरंतर उत्कृष्ट कार्य और नवाचार कर रही है। इसी तारतम्य में पुलिस विभाग की महिला शाखा और यूएन वीमन के सहयोग से पुलिस विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन एवं शहरी आजीविका मिशन के प्रतिभागियों के लिए 20 और 21 फरवरी को दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। पहले दिन मंगलवार को कार्यक्रम की मुख्य अतिथि व महिला शाखा की एडीजी प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि हम किसी घटना को सबसे पहले अपराध की तरह देखते हैं कि इस मामले में क्या धारा लगती है, हम कार्रवाई करते हैं या मुकदमा दर्ज करते है, वह एक हिस्सा है परंतु यह कोई नहीं देखता कि पीड़िता किस मानसिक स्थिति से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा एवं महिला संबंधी अपराधों से पीड़ित महिलाओं व बालिकाओं की काउंसलिंग उनकी मानसिक स्थिति सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और वे खुलकर अपनी बात कह सकेंगी। महिला शाखा की एडीजी श्रीवास्तव ने कहा कि लेटेस्ट सजायाबी दर 16 से 17 प्रतिशत है जबकि विटनेस प्रोटेक्शन स्कीम जिसमें लगाते हैं, उसका प्रतिशत काफी ज्यादा होता है, क्योंकि हम पूरे समय देखते रहते हैं कि किसने क्या गवाही दी, क्या किया व क्या नहीं। इस अवसर पर आईजी हिमानी खन्ना, महिला सुरक्षा शाखा के एआईजी डॉ.वीरेंद्र कुमार मिश्रा, किरणलता केरकेट्टा, यूएन वीमन के प्रशिक्षक सौम्य भौमिक व सुदीपा दास उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन यूएन वीमन की स्टेट हेड जोयत्रीरे ने किया।

प्रदेश की प्रत्येक सीट को लेकर हुई दो-तीन नामों पर चर्चा

शाम तक, भोपाल। प्रदेश में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री आवास पर करीब दो घंटे से ज्यादा तक बैठक चली, जिसमें उम्मीदवारों के चुनाव को लेकर भाजपा द्वारा मंथन किया गया। इस दौरान प्रदेश की प्रत्येक सीट के लिए दो से तीन नामों को छांटने के लिए चर्चा हुई। विधानसभा चुनाव की तरह भाजपा लोकसभा चुनाव में भी प्रत्याशियों की घोषणा काफी पहले करना चाहती है, जिससे प्रत्याशियों को चुनाव प्रचार का पर्याप्त मौका मिल सके। इसी कारण प्रत्याशी चयन को लेकर बैठक की गई है। हर सीट पर प्रबल दावेदारों के नाम छांटने के बाद एक नाम पर मुहर केंद्रीय नेतृत्व से लगेगी। इसी सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भोपाल में दौरा प्रस्तावित है। इसके पहले नाम चिंहित किए जा रहे हैं। उनके सामने भी संभावित दावेदारों की सूची रखी जा सकती है। बैठक में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के अतिरिक्त लोकसभा चुनाव प्रभारी डा. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीष उपाध्याय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद भी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष ने मामलों में संज्ञान' लेकर संबंधितों से जवाब मांगा

दस साल से बाग मुगलिया एक्सटेंशन की सड़के खराब

शाम तक, भोपाल। शहर के वार्ड नंबर-55 स्थित बाग मुगलिया एक्सटेंशन कॉलोनी की सड़कों का विगत 10 साल से खराब होने का मामला सामने आया है। सड़कों का डामरीकरण उखड़ गया है और गिट्टी-पत्थर बिखरे पड़ें हुए है। जिसके कारण इन क्षेत्रों के नागरिकों सहित 40 हजार से ज्यादा लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आये दिन दो पहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे है। सड़क पर कई जगह स्ट्रीट लाइट नहीं होने से रात में दुर्घटना का खतरा बढ़ रहा है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही के संबंध में तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

कुएं में गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत

भोपाल जिले के शाहापुरा इलाके में बीते सोमवार को सुबह की सैर के लिए निकली एक 90 वर्षीय महिला की कुएं में गिरकर डूबने से मृत्यु होने की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार मृतक अनार बाई (90) अपने परिवार के साथ शाहपुरा के लक्ष्मण नगर में रहती थी। सोमवार की सुबह वह टहलने के लिए निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी, तो कुछ मिनट बाद स्थानीय लोगों ने परिवार के सदस्यों को बताया कि वह इलाके के एक कुएं में गिर गई है। स्थानीय लोगों ने बुजुर्ग महिला को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर, भोपाल से मामले की जांच कराकर मृतकों के वैध उत्तराधिकारियों को देय आर्थिक मुआवजा राशि के संबंध में प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

खदान के पानी में डूबने से बुजुर्ग की हुई मौत

भोपाल जिले के रातीबड़ थानाक्षेत्र स्थित नाथू बरखेड़ा में पथ्थर खदान में भरे पानी में डूबने से बुजुर्ग की मृत्यु होने की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार रातीबड़ निवासी 60 वर्षीय भंवरलाल सूर्यवंशी बीते सोमवार को शौच जाने के दौरान तालाब में गिर गये। घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर भैंस चरा रहे पोते ने बुजुर्ग को तालाब में गिरता देखा और शोर मचाने लगा। घटना के बाद परिजनों ने बुजुर्ग को कुंए से बाहर निकाला। लेकिन तब तक बुजुर्ग की मृत्यु हो चुकी थी। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर, भोपाल से मामले की जांच कराकर मृतक के वैध उत्तराधिकारियों को शासन की योजना, नियमानुसार देय आर्थिक मुआवजा राशि के संबंध में तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

लेखक लोकेंद्र सिंह की पुस्तक 'हिंदवी स्वराज्य दर्शन' पर चर्चा का आयोजन

राष्ट्रीय उद्देश्य और अध्यात्म के अधिष्ठान पर केंद्रित है छत्रपति शिवाजी महाराज का 'हिंदवी स्वराज्य' : हेमंत मुक्तिबोध

शाम तक, भोपाल। *लेखक लोकेंद्र सिंह की बहुचर्चित पुस्तक 'हिंदवी स्वराज्य दर्शन' की चर्चा कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत मुक्तिबोध ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास ने उस समय के हिंदू समाज के भीतर आत्मविश्वास जगाया। याद रखें कि यह सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष नहीं था। यह भारत के 'स्व' को स्थापित करने के लिए किया गया राष्ट्रीय संघर्ष था। उनके संघर्ष का राष्ट्रीय उद्देश्य था और अध्यात्म उसका अधिष्ठान था। इसलिए उस समय के समाज में विश्वास जगा कि यह राजा साधारण नहीं है।*

'हे हिंदवी स्वराज्य व्हावे, ही तर श्रींची इच्छा यात' शिवाजी महाराज का यह वाक्य विश्व के महान भाषणों से भी बढ़कर है। पुस्तक चर्चा का यह कार्यक्रम विश्व संवाद केंद्र के मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी सभागार में हुआ। इस अवसर पर साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य भारत प्रांत के

संघचालक अशोक पांडेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मुक्तिबोध ने कहा कि लोकेंद्र सिंह ने इस जीवंतता के साथ पुस्तक 'हिंदवी स्वराज्य दर्शन' को लिखा है कि हम भी पढ़ते-पढ़ते छत्रपति शिवाजी महाराज के दुर्गों का भ्रमण करते हैं। एक-एक प्रसंग और घटना का जीवंत वर्णन उन्होंने किया है। यात्रा वृत्तांत में दर्शन की दृष्टि, मन की आंखों और विवेक-बुद्धि के साथ देखते हैं तो कुछ प्रेरणा देनेवाला और सकारात्मक साहित्य का सृजन होता है। लोकेंद्र सिंह ने शिवाजी महाराज के किलों को केवल सामान्य पर्यटक के तौर पर नहीं देखा है, उन्होंने विवेक बुद्धि के साथ दुर्गों का दर्शन किया हैं। उन्होंने कहा कि किलों का महत्व इतना नहीं है, जितना उनमें रहने वालों का महत्व है। शिवाजी महाराज ने स्वराज्य की स्थापना में किलों को जीता, संधि में किले हारे और फिर किलों को प्राप्त करने के लिए संधि तोड़ी। पुस्तक में सिंहगढ़ की कथा भी आती है। जिस किले को प्राप्त करने में तानाजी मालूसरे का बलिदान हुआ। अपने साथी के बलिदान पर छत्रपति ने कहा था- 'गढ़ आला लेकिन सिंह गेला'।

सेल्फी नहीं, सेल्फहुड को जगाने के स्थान है शिवाजी महाराज के दुर्ग

मुक्तिबोध ने कहा कि ये दुर्ग छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन की प्रेरणा देनेवाले स्मारक हैं। ये स्थान सेल्फी खींचने के लिए नहीं अपितु अपने सेल्फहुड को जाग्रत करने के स्थान है। उन्होंने पुरंदर की संधि और युद्ध का वर्णन करके बताया कि उस समय ऐसी स्थितियां थी कि सनातनी मिर्जाराजा जयसिंह भी औरंगजेब के लिए उस शिवाजी महाराज को पकड़ने के लिए आया, जो हिंदवी स्वराज्य के लिए मुगलों से लड़ रहे थे। रायगढ़ के किले का वर्णन भी पुस्तक में आया है, जो हिंदवी स्वराज्य की राजधानी थी। ग्वालिन हिरकनी की कहानी का रोचक वर्णन पढ़ना चाहिए। मुक्तिबोध ने कहा कि शिवाजी महाराज ने केवल नौसेना ही नहीं बनाई अपितु जलदुर्गों का निर्माण भी किया। छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित हिंदवी स्वराज्य की सबसे बड़ी विशेषता थी कि उन्होंने भारत के स्वत्व का जागरण किया।

हिंदवी स्वराज्य के दर्शन कराती है लोकेंद्र सिंह की पुस्तक : डॉ. विकास दवे

छत्रपति शिवाजी महाराज की चेतना को समझना है तो लेखक लोकेंद्र सिंह की पुस्तक 'हिंदवी स्वराज्य दर्शन' का अध्ययन करना चाहिए। यह एक यात्रा वृत्तांत है लेकिन यह पुस्तक छत्रपति शिवाजी महाराज के हिंदवी स्वराज्य के विचार का दर्शन भी कराती है। लेखक ने शिवाजी महाराज के महत्वपूर्ण दुर्गों से जुड़े इतिहास और रोचक प्रसंगों का वर्णन किया है। डॉ. दवे ने बताया कि यात्रा वृत्तांत का उद्देश्य है कि उसमें प्रेरणा का कोई तत्व होना चाहिए और यह पुस्तक तो हिंदवी स्वराज्य की प्रेरणा से परिपूर्ण है। लेखक लोकेंद्र सिंह ने शिवाजी महाराज के किलों की आत्मा का वर्णन किया है। छत्रपति ने जिस प्रकार स्वराज्य के साथ स्वदेशीकरण का अभियान चलाया, उसका विवरण भी पुस्तक में हमें प्राप्त होता है। आज अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस है। हमें याद आता है कि शिवाजी महाराज ने अरबी और फारसी शब्दों को हटा कर शासन-प्रशासन में स्वभाषा को स्थापित किए। पुस्तक में पर्वत से लेकर समुद्र तक के प्रमुख किलों का वर्णन है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य भारत प्रांत के संघचालक अशोक पांडेय ने कहा कि राज्याभिषेक का रोचक वर्णन लेखक ने ऐसे किया है कि इतिहास की वह घटना जीवंत हो उठती है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक एवं प्रकाशक शशांक दुबे के लिए श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं.137,138,139 सेक्टर आई, स्पेशल इण्डस्ट्रियल एरिया गोविन्दपुरा भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित तथा एफ-7 श्रेष्ठ चेतक टॉवर 67-बी सेक्टर कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। संपादक *शशांक दुबे * प्रकाशन से संबंधित समस्त दीवानी, फौजदारी एवं न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का ही रहेगा। **कार्यालय-** एफ-7 श्रेष्ठ चेतक टॉवर 67-बी सेक्टर कस्तूरबा नगर, भोपाल **दूरभाष/मोबाइल-** 0755-4222218, 9425020177, **डाक पंजीयन संख्या मध्यप्रदेश/भोपाल/4-405/2022-24 आर.एन.आई नंबर** - एम.पी.एच.आई.एन./2005/15314

संपादकीय

हरियाणा बार्डर पर उग्र होता जा रहा किसान आंदोलन

एमएसपी पर केंद्र सरकार का प्रस्ताव, किसान संगठनों ने खारिज कर दिया है। किसान संगठनों और सरकार के बीच की चौथी वार्ता विफल हो जाने के बाद किसान संगठन दिल्ली जाने की मांग पर अड़े हुए हैं। किसान संगठनों का कहना है, कि सरकार एमएसपी कानून को लेकर किसानों को गुमराह कर रही है। किसानों ने हरियाणा सरकार द्वारा बनाए गए सभी गतिरोध को तोड़ने के लिए अपनी ओर से व्यापक इंतजाम कर लिए हैं। किसान संगठनों की ओर से बैरिकेट्स को तोड़ने के लिए पोकलेन, जेसीबी मशीन, अश्रु गैस के गोलों से बचने के लिए बड़े इंतजाम किए हैं। किसान बड़ी संख्या में बॉर्डर पर एकत्रित हो गए हैं। सरकार के सुरक्षा इंतजामों और सुरक्षा व्यवस्था को तोड़कर, दिल्ली जाने की तैयारी किसानों ने सीमा पर कर ली है। किसानों ने जिस तरह की तैयारी की है, उस तैयारी को देखते हुए यह कहा जा सकता है, हरियाणा की सीमा पर सुरक्षा बलों और किसानों के बीच टकराव होना तय है। किसान जैसे ही आगे बढ़ते हैं। आाशुं गैस के गोले सुरक्षा बल बड़ी संख्या में दाग रहे हैं। जहां किसान खड़े होते हैं, वहां अशुं गैस के गोले ड्रोन से गिराये जा रहे हैं। सरकार ने किसानों के इस आंदोलन की गंभीरता से नहीं समझा। जिसके परिणाम स्वरूप सुरक्षा कर्मियों और किसानों के बीच टकराव रहा है। किसानों ने बार-बार कहा है, कि वह शांतिपूर्ण आंदोलन करना चाहते हैं। किसान दिल्ली जाना चाहते हैं। सरकार ने दिल्ली जाने के रास्ते में अवरोध खड़े किए हैं। हरियाणा सरकार अवरोध हटाकर उन्हें शांतिपूर्वक दिल्ली जाने का मार्ग दे। किसान इस बात से नाराज हो गए हैं, कि हरियाणा बॉर्डर में सुरक्षा बलों द्वारा जो अश्रु गैस के और केमिकल गोले छोड़े जा रहे हैं, वह काफी घातक हैं। रबड़ की बुलेट से किसानों को घायल किया जा रहा है। चौथे दौर की वार्ता विफल होने के बाद किसान संगठन राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट हो गए हैं। किसान और सुरक्षा बल के जवान, अब आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए मैदान में हैं। किसान संगठनों द्वारा शांतिपूर्ण आंदोलन के लिए जिस तरह की रणनीति बनाई गई है। वह सुरक्षा बलों के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। किसान संगठनों ने 11 बजे बैरियर तोड़कर दिल्ली जाने का आह्वान किया था। सभी सीमाओं पर बड़ी संख्या में किसान एकजुट हैं। किसानों ने पिछले दो दिनों में सिंधु बॉर्डर पर पोकलेन, डोजर, जेसीबी मशीने एकत्रित की हैं। ड्रोन से जो आशु गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। उनसे निपटने के लिए किसानों ने व्यापक इंतजाम किए हैं। किसान संगठनों ने दिल्ली कूच करने के लिए बुजुर्गों और महिलाओं का जत्था भी सबसे आगे रखने की तैयारी की है। सरकार यदि सीमा पर कोई कार्यवाही करे, आंदोलन को बदनाम करने के लिए कोई भी कोशिश सरकार करना चाहे, तो सरकार नहीं कर पाए। किसान संगठन कह रहे हैं, कि हमारी निर्वाचित सरकार है। किसान संगठन हर हाल में एमएसपी कानून, किसानो की कर्ज माफी, और पिछले आंदोलन में जो किसान मारे गए थे। उनके परिवार से एक आदमी को सरकारी नौकरी और मुआवजा की मांग पर अड़े हुए हैं। सरकार ने जब मौके की इस हालत को देखा, तब पांचवें दौर के बातचीत की पेशकश कर दी। इस पेशकश का, किसानों के ऊपर कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। किसान संगठनों का कहना है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में एमएसपी कानून बनाने का वायदा किया था। मोदी जी ने किसानों की आय दो गुना करने की बात कही थी। सरकार ने पिछले आंदोलन में किसानों से जो लिखित वायदे किए थे। वह वायदे भी सरकार ने पूरे नहीं किए। सरकार ने पिछले चार दौर की जो वार्ता किसानों के प्रतिनिधियों से की है। उसमें भी किसानों को धोखा देने के लिए, टाइम पास करने के लिए, सरकार बैठक का नाटक कर रही है। अविश्वास सरकार और किसानों के बीच में इतना बढ़ गया है, कि जब तक सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं होगी। तब तक,किसान संगठन सरकार पर भरोसा करने के लिए तैयार नहीं है। निश्चित रूप से 10 साल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का केन्द्र में शासन है। केंद्र और कई राज्यों में डबल इंजन की सरकारें हैं। पिछले आंदोलन में जो वायदे किसानों के साथ सरकार ने किए थे। उनको पूरा करने के लिए सरकार ने कोई काम ही नहीं किया। अभी भी सरकार जो प्रस्ताव लेकर आ रही है। उसमें भी बट, किंतु, परंतु की बहानेबाजी है। सरकार आश्वासन देकर आंदोलन खत्म करना चाहती है। किसान संगठन अपनी मांगों को मनवाये बिना घर लौटने के लिए तैयार नहीं है। बहरहाल वर्तमान स्थिति को देखते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने किसानों से सभी मांगों पर वार्ता करने की पेशकश की है।

सूक्ति

यह व्यक्ति की स्वयं की सोच ही होती है जो उसे बुराइयों की ओर ले जाती है ना कि उसके दुश्मन की

♦ गौतम बुद्ध

जीवन में दुखद बात यह है कि हम बड़े तो जल्दी हो जाते हैं लेकिन समझदार देर से होते है

♦ अज्ञात

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी को श्रद्धांजलि

(नरेंद्र मोदी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के बारे में अपने विचार व्यक्त किये हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी वेबसाइट नरेंद्र मोदी डॉट इन पर संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के संबंध में स्वयं के द्वारा लिखे गए एक लेख का लिंक भी साझा किया है। यहां प्रस्तुत है प्रधानमंत्री मादी द्वारा लिखा गया लेख।)

जीवन में हम बहुत कम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके निकट जाते ही मन-मस्तिष्क एक सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। ऐसे व्यक्तियों का स्नेह, उनका आशीर्वाद, हमारी बहुत बड़ी पूंजी होता है। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज मेरे लिए ऐसे ही थे। उनके समीप अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता था। आचार्य विद्यासागर जी जैसे संतों को देखकर ये अनुभव होता था कैसे भारत में आध्यात्म किसी अमर और अजस्र जलधारा के समान अविरल प्रवाहित होकर समाज का मंगल करता रहता है।

आज मुझे, उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुआ संवाद, सब बार-बार याद आ रहा है। पिछले साल नवंबर में छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी जैन मंदिर में उनके दर्शन करने जाना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात थी। तब मुझे जरा भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि आचार्य जी से मेरी यह आखिरी मुलाकात होगी। वह पल मेरे लिए अविस्मरणीय बन गया है। इस दौरान उन्होंने काफी देर तक मुझसे बातें कीं। उन्होंने पितातुल्य भाव से मेरा ख्याल रखा और देश सेवा में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुझे आशीर्वाद भी दिया। देश के विकास और विश्व मंच पर भारत को मिल रहे सम्मान पर उन्होंने प्रसन्नता भी व्यक्त की थी। अपने कार्यों की चर्चा करते हुए वह काफी उत्साहित थे। इस दौरान उनकी सौम्य दृष्टि और दिव्य मुस्कान प्रेरित करने वाली थी। उनका आशीर्वाद आनंद से भर देने वाला था, जो हमारे अंतर्मन के साथ-साथ पूरे वातावरण में उनकी दिव्य उपस्थिति का अहसास करा रहा था। उनका जाना उस अद्भुत मार्गदर्शक को खोने के समान है, जिन्होंने मेरा और अनगिनत लोगों का मार्ग निरंतर प्रशस्त किया है।

भारतवर्ष की ये विशेषता रही है कि यहां की पावन धरती ने निरंतर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोगों को दिशा दिखाने के साथ-साथ समाज को भी बेहतर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संतों और समाज सुधार की इसी महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी का प्रमुख स्थान है। उन्होंने वर्तमान के साथ ही भविष्य के लिए भी एक नई राह दिखाई है।

उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा। उनके जीवन का हर अध्याय, अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता से सुशोभित है।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेष बात ये थी कि उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक बोध भी था। उनका सम्यक ज्ञान जितना धर्म को लेकर था, उतना ही उनका चिंतन लोक विज्ञान के लिए भी रहता था।

करुणा, सेवा और तपस्या से परिपूर्ण आचार्य जी का जीवन भगवान महावीर के आदर्शों का प्रतीक रहा, उनका जीवन, जैन धर्म की मूल भावना का सबसे बड़ा उदाहरण रहा। उन्होंने जीवन भर अपने काम और अपनी दीक्षा से इन सिद्धांतों का संरक्षण किया। हर व्यक्ति के लिए उनका प्रेम, ये बताता है कि जैन धर्म में 'जीवन' का महत्व क्या है। उन्होंने सत्यनिष्ठा के साथ अपनी पूरी आयु तक ये सीख दी कि विचारों, शब्दों और कर्मों की पवित्रता कितनी बड़ी होती है। उन्होंने हमेशा जीवन के सरल होने पर जोर दिया। आचार्य जी जैसे व्यक्तित्वों के कारण ही, आज पूरी दुनिया को जैन धर्म और भगवान महावीर के जीवन से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

वो जैन समुदाय के साथ ही अन्य विभिन्न समुदायों के भी बड़े प्रेरणास्रोत रहे। विभिन्न पंथों, परंपराओं और क्षेत्रों के लोगों को उनका सानिध्य मिला, विशेष रूप से युवाओं में आध्यात्मिक जागृति के लिए उन्होंने अथक प्रयास किया।

शिक्षा का क्षेत्र उनके हृदय के बहुत करीब रहा है। बचपन में सामान्य विद्याधर से लेकर आचार्य विद्यासागर जी बनने तक की उनकी यात्रा ज्ञान प्राप्ति और उस ज्ञान से पूरे समाज को प्रकाशित करने की उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दिखाती है। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा ही एक न्यायपूर्ण और प्रबुद्ध समाज का आधार है। उन्होंने लोगों को सशक्त बनाने और जीवन के लक्ष्यों को पाने के लिए ज्ञान को सर्वोपरि बताया। सच्चे ज्ञान के मार्ग के रूप में स्वाध्याय और आत्म-जागरूकता के महत्त्व पर उनका विशेष जोर था। इसके साथ ही उन्होंने अपने अनुयायियों से निरंतर सीखने और आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का भी आग्रह किया था। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज की इच्छा थी कि हमारे युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित हो। वह अक्सर कहा करते थे कि चूंकि हम अपने अतीत के ज्ञान से दूर हो गए हैं, इसलिए वर्तमान में हम अनेक बड़ी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अतीत के ज्ञान में वो आज की अनेक चुनौतियों का समाधान देखते थे। जैसे जल संकट को लेकर वो भारत के प्राचीन ज्ञान से अनेक समाधान सुझाते थे। उनका यह भी विश्वास था कि शिक्षा वही है, जो स्किल डवलपमेंट और इनोवेशन पर अपना ध्यान केंद्रित करे।

आचार्य जी ने कैदियों की भलाई के लिए भी विभिन्न जेलों में काफी कार्य किया था। कितने ही कैदियों ने आचार्य जी के सहयोग से हथकरघा का प्रशिक्षण लिया। कैदियों में उनका इतना सम्मान था कि कई कैदी रिहाई के बाद अपने परिवार से भी पहले आचार्य विद्यासागर जी से मिलने जाते थे। संत शिरोमणि आचार्य जी को भारत देश की भाषायी विविधता पर बहुत गर्व था। इसलिए वह हमेशा युवाओं को स्थानीय भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने स्वयं भी संस्कृत, प्राकृत और हिंदी में कई सारी रचनाएं की हैं। एक संत के रूप में वे शिखर तक पहुंचने के बाद भी जिस प्रकार जमीन से जुड़े रहे, ये उनकी महान रचना 'मूक माटी' में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है। इतना ही नहीं, वे अपने कार्यों से वंचितों की आवाज भी बने।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी के योगदान से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी बड़े परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने उन क्षेत्रों में विशेष प्रयास किया, जहां उन्हें ज्यादा कमी दिखाई पड़ी। स्वास्थ्य को लेकर उनका दृष्टिकोण बहुत व्यापक था। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य को आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ने पर बल दिया, ताकि लोग शारीरिक और मानसिक रूप, दोनों से स्वस्थ रह सकें।

मैं विशेष रूप से आने वाली पीढ़ियों से यह आग्रह करूंगा कि वे राष्ट्र निर्माण के प्रति संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रतिबद्धता के बारे में व्यापक अध्ययन करें। वे हमेशा लोगों से किसी भी पक्षपातपूर्ण विचार से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया करते थे। वे मतदान के प्रबल समर्थकों में से एक थे और मानते थे कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने हमेशा स्वस्थ और स्वच्छ राजनीति की पैरवी की। उनका कहना था- 'लोकनीति लोभसंग्रह नहीं, बल्कि लोकसंग्रह है।', इसलिए नीतियों का निर्माण निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि लोगों के कल्याण के लिए होना चाहिए।

आचार्य जी का गहरा विश्वास था कि एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण उसके नागरिकों के कर्तव्य भाव के साथ ही अपने परिवार, अपने समाज और देश के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की नींव पर होता है। उन्होंने लोगों को सदैव ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। ये गुण एक न्यायपूर्ण, करुणामयी और समृद्ध समाज के लिए आवश्यक हैं। आज जब हम विकसित भारत के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं कर्तव्यों की भावना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे कालखंड में जब दुनियाभर में पर्यावरण पर कई तरह के संकट मंडरा रहे हैं, तब संत शिरोमणि आचार्य जी का मार्गदर्शन हमारे बहुत काम आने वाला है। उन्होंने एक ऐसी जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान को कम करने में सहायक हो। यही तो 'मिशन लाइफ' है जिसका आह्वान आज भारत ने वैश्विक मंच पर किया है। इसी तरह उन्होंने हमारी अर्थव्यवस्था में कृषि को सर्वोच्च महत्त्व दिया। उन्होंने कृषि में आधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाने पर भी बल दिया। मुझे विश्वास है कि वो नमो ड्रोन दीदी अभियान की सफलता से बहुत खुश होते। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी, देशवासियों के हृदय और मन-मस्तिष्क में सदैव जीवंत रहेंगे। आचार्य जी के संदेश उन्हें सदैव प्रेरित और आलोकित करते रहेंगे। उनकी अविस्मरणीय स्मृति का सम्मान करते हुए हम उनके मूल्यों को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह ना सिर्फ उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि होगी, बल्कि उनके बताए रास्ते पर चलकर राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गतदिवस आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में समुद्री तकनीकी प्रदर्शनी MTEX-24 का उद्घाटन किया।

(विचार)

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है। उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है। ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके। प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर को मनमानी बुरी आदतों के कारण रुग्ण बनाना प्रकृति की दृष्टि में बड़ा अपराध है। उसके फलस्वरूप पीड़ा बेचैनी, अशक्ति, अल्पायु, आर्थिक हानि और तिरस्कार जैसे दंड भोगने पड़ते हैं।

कोविड ने बदल दी दुनिया, छोटे शहरों का रुख करती जिंदगी

अद्वैता काला

कोविड ने दुनिया को बदलकर रख दिया। यह हम सभी जानते हैं कि इससे मानव जीवन की विनाशकारी क्षति हुई, लेकिन इसने एक मौन आंदोलन को भी जन्म दिया, जिस पर ध्यान नहीं दिया गया। लोग बड़े शहरों से छोटे शहरों में स्थानांतरित होने लगे और उन्होंने शांत व धीमी गति वाले जीवन को चुना। मैंने खुद ऐसा किया है, मिलेनियम सिटी गुरुग्राम से मैं एक छोटे घाटी शहर देहरादून में स्थानांतरित हो गई हूं।

हालांकि मैं इन दोनों शहरों में आती-जाती रहती हूं, लेकिन अब मैं अपना ज्यादातर समय देहरादून में ही बिताती हूं, जो एक छोटा अनोखा शहर है और शैक्षणिक संस्थानों, सेना और सेवानिवृत्त लोगों का प्रमुख केंद्र भी है। यहां जिंदगी की रफ्तार थोड़ी धीमी है, लेकिन हवा अपेक्षया साफ है। कोविड के दौरान, विशेष रूप से डेल्टा वायरस की लहर के समय, जब अस्पतालों में बिस्तर और ऑक्सीजन की कमी हो गई थी, लोगों ने यह सोचना शुरू कर दिया था कि बड़े शहरों में रहने के नुकसान ज्यादा हैं।

सामान्य दिनों में लंबा ट्रैफिक जाम, वायु गुणवत्ता की बदतर स्थिति, चरम मौसमी स्थितियां और व्यस्त व आक्रामक सामाजिक माहौल ऐसी चीजें हैं, जो लोगों को बड़े शहरों से दूर कर रही हैं। कोविड काल के बाद प्रचलित मिश्रित कार्य-संस्कृति का मतलब यह भी है कि जो लोग खर्च उठाने में सक्षम हैं, वे तेजी से स्थानांतरित हो रहे हैं। चाहे राजमार्गों का विकास हो या उड़ान योजना, पिछले दस वर्षों में बढ़ी कनेक्टिविटी ने भारत को आपस में अधिक जोड़ा है। इसके साथ ही इंटरनेट ने भी दूरियां कम की हैं। और यह सब इतनी तेजी से बदला है कि हैरानी होती है।

एक दशक पहले जब मैं टीवी बहस में शामिल होती थी, तो कैमरामैन, लाइटमैन और साउंडमैन के साथ एक बड़ी ओबी वैन आती थी। वे लोग मेरे घर में लाइट और कैमरा लगाते थे, मुझे लाइव टीवी स्टूडियो से जोड़ते थे। आज मैं चाहे दुनिया में कहीं भी रहूं, जूम के माध्यम से टीवी बहस में शामिल हो सकती हूं। यह एक ऐसा बदलाव है, जो मैंने अपनी आंखों से देखा है। अस्तित्व के संकट और परिस्थितिवश मजबूरी में लोग बड़े शहरों में रहने के लिए बाध्य होते थे, लेकिन अब कई लोग ऐसी बाध्यता महसूस नहीं करते हैं।

देहरादून में मेरे अपार्टमेंट में एक नई बात यह है कि यहां बहुत से वरिष्ठ नागरिक हैं, लेकिन तीस से चालीस की उम्र के लोगों की संख्या भी कम नहीं है, जो बड़े से छोटे शहरों में शहरी परिप्रेक्ष्य लेकर आए हैं और साथ ही संतोष की हवा भी। भारत में हुए तीव्र विकास से उन लोगों के लिए छोटे शहरों में रहना आसान हो गया है, जो बड़े शहरों में रहने के आदी हैं। साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं में भी काफी सुधार हुआ है। जीवन-शैली में बदलाव अब उतना कठोर नहीं रह गया है, जितना पहले माना जाता था। असल में जीवन-यापन की लागत सस्ती हो गई है और पैसे के लिहाज से अचल संपत्ति का मूल्य बढ़ गया है। शिक्षा के प्रचुर अवसर हैं और सार्वजनिक परिवहन सुविधाजनक है।

मेरे बचपन में दिल्ली से देहरादून पहुंचने में रुकते हुए सात से नौ घंटे लगते थे, लेकिन अब मुश्किल से चार घंटे लगते हैं तथा इसमें और कमी होने वाली है। गुरुग्राम से जयपुर मात्र तीन घंटे दूर है और बीस साल पहले गाड़ी से इतनी दूरी तय करने में पांच घंटे लगते थे। छोटे शहर सामाजिक रूप से घुलने-मिलने के भी काफी अवसर प्रदान करते हैं, लोगों के पास काफी समय होता है और वे एक-दूसरे का साथ ढूंढते हैं। बड़े शहरों, जहां मानव अस्तित्व एक निश्चित संकीर्णता में घिर गया है, के विपरीत देश के छोटे शहरों और कस्बों में समुदाय की अवधारणा अब भी काफी जीवित है। जब यह सदी शुरू हुई होगी, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि भारत के लोग छोटे शहरों में जाना चाहेंगे, लेकिन आज हम छोटे शहरों की तरफ रुख कर रहे हैं। जीवन की गुणवत्ता, यात्रा में आसानी और ई-कॉमर्स-इन सबने इस बदलाव का मार्ग प्रशस्त किया है।

अब चुनौती यह है कि छोटे शहरों की गुणवत्ता बनाकर रखी जाए और इन्हें शहरी फैलाव न बनने दिया जाए। विवेकपूर्ण शासन से ऐसा संभव है। इसके अलावा यह प्रवासन भारतीयों की प्राथमिकता और मूल्यों में ठोस बदलाव को भी दर्शाता है, जो इस पारंपरिक आख्यान को चुनौती देता है कि सफलता महानगरीय जीवन का पर्याय है। भारत के लोगों में आत्मबोध और सांस्कृतिक जागरूकता का विकास तेजी से हो रहा है। पश्चिमी जीवन-शैली का अंधानुकरण थम गया है और लोगों ने उस जीवन-शैली की विफलता को पहचान लिया है। समुदाय और परिवार पर ध्यान केंद्रित करने वाली भारतीय जीवन-शैली ऐसी समृद्धि लाती है, जिसकी गणना नहीं की जा सकती।

मानसिक स्वास्थ्य की मूक महामारी से बच्चे भी प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए आधुनिक समय में यह बेहद महत्वपूर्ण हो गया है कि हम अपने मूल्यों के साथ तालमेल बिठाएं और उसे समृद्ध करें। और यह पूरी तरह संभव है। लंबी जीवन-प्रत्याशा वाले भौगोलिक क्षेत्रों यानी ब्लू जोन्स का अध्ययन दर्शाता है कि इसका एक प्रमुख कारण सामुदायिक जीवन जीना और दूसरे मनुष्यों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहने से लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिलती है- फोन या इंटरनेट पर नहीं। जैसे-जैसे ज्यादा भारतीय सफलता को फिर से परिभाषित करेंगे और चूहा-दौड़ से अधिक कल्याण को प्राथमिकता देंगे, बड़े शहरों से छोटे शहरों में जाने का चलन बढ़ेगा, देश के जनसांख्यिकी स्वरूप में बदलाव होना जारी रहेगा। यह जीवन के प्रति अधिक संतुलित और समग्र दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है, जो इस पारंपरिक ज्ञान को चुनौती देता है कि शहरीकरण ही समृद्धि का अंतिम रास्ता है।

छोटे शहरों की शांति को अपनाकर अब लोग कामयाबी की नई परिभाषा तलाश रहे हैं, जो अराजक शहरी जीवन-शैली के ऊपर खुशी, स्वास्थ्य और सामुदायिक भावना को तवज्जो देती है। गांधी जी ने जिस भारत को गांवों में बताया था, वह नए समय में छोटे-छोटे शहरों में भी दिखाई देता है।

(लेखक के अपने विचार हैं)

50वां खजुराहो नृत्य समारोह का दूसरा दिवस, कला की विभिन्न विधाओं का हुआ संगम

बसंत की बयार के संग नृत्य की बरखा, शाम के सौंदर्य के साथ जगमगाई भारतीय शास्त्रीय नृत्यों की परम्परा

शामतक, खजुराहो।

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग एवं उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के साझा प्रयासों और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन — छतरपुर के सहयोग से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में विश्वविख्यात 50वां खजुराहो नृत्य महोत्सव के दूसरे दिवस कला के विविध आयामों का संगम हुआ।

इस अवसर पर संचालक संस्कृति एन.पी. नामदेव, उप संचालक संस्कृति संचालनालय सुश्री वंदना पाण्डेय और निदेशक उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी जयंत भिसे ने आमंत्रित कलाकारों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। जहां एक ओर शाम के सौंदर्य के साथ मुख्य मंच पर नृत्य की बयार थी, तो प्रात: एवं अपराह्न में कलावार्ता में संगीत पर और लयशाला में नृत्य पर संवाद आयोजित हुए। प्रणति में वरिष्ठ चित्रकार शंकर शिंदे के कल्पनाओं के रंग बिखरे। खजुराहो के विश्वप्रसिद्ध मंदिरों के आंगन में एक ऐसा सांस्कृतिक ताना—बाना बुना जा रहा है जिसकी स्मृतियां लंबे समय तक कलारसिकों के मानस में जीवित रहेंगी।

दूसरे दिन नृत्य समागम के तहत चार प्रस्तुतियां दी गईं। इसमें सर्वप्रथम पंडित बिरजू महाराज के शिष्य शेंकी सिंह, दिल्ली द्वारा कथक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। उन्होंने प्रस्तुति का आरंभ गणेश वंदना से किया, जिसे लिखा और स्वरबद्ध पंडित बिरजू महाराज ने किया है। तत्पश्चात उन्होंने तीन ताल में कथक का नृत्य पक्ष दिखाया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति को गजल — आज उस शोख की चितवन को बहुत याद किया पर नृत्य कर विराम दिया।

नृत्य प्रस्तुति के अगले क्रम में सुश्री सायली काणे, कलावर्धिनी डांस कंपनी, पुणे द्वारा भरतनाट्यम समूह नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सबसे पहले उन्होंने हरि हर प्रस्तुति दी, जिसमें विष्णु भगवान के अवतार भगवान राम को पुष्पांजलि अर्पित की, जिसे सुश्री अरुंधति पटवर्धन ने कोरियोग्राफ किया। इसके बाद अर्धनारीश्वर प्रस्तुति में दर्शाया की शिव—शक्ति मिलकर इस ब्रह्मांड का निर्माण, विनाश और पुनर्निर्माण करते हैं। वे शिव और शक्ति, पुरुष और प्रकृति स्वरूप हैं। इस प्रस्तुति को भी सुश्री अरुंधति पटवर्धन ने कोरियोग्राफ किया। तत्पश्चात राम नवरस श्लोक की प्रस्तुति दी गई, जिसमें भगवान श्रीराम जीवन के विभिन्न दृश्यों के माध्यम से नौ रस और नौ भावनाओं को

व्यक्त किया गया। देवी के बिना शिव अधूरे हैं, यही भाव अगली प्रस्तुति में व्यक्त किए गए। यह थिल्लाना राग रेवती में निबध्द् था।

अगली प्रस्तुति ओडिसी नृत्य की रही, जिसे प्रस्तुत किया सुश्री अरूपा गायत्री पांडा, भुवनेश्वर ने। उनकी पहली प्रस्तुति आइगिरी नंदिनी....रही। इसमें उन्होंने दिखाया कि शक्ति को स्वयं ब्रह्मांड माना जाता है – वह ऊर्जा और गतिशीलता का अवतार है और ब्रह्मांड में सभी कार्यों और अस्तित्व के पीछे प्रेरक शक्ति है। वह पूर्ण, परम देवत्व है। इसलिए देवी सूक्त में उन्हें सभी रूपों, अस्तित्व और चेतना में प्रकट बताया गया है।

चंडी या दुर्गा के रूप में वह दुष्टों का विनाश करती है और जो कुछ भी दिव्य है उसकी रक्षा करती है। दुर्गा ने महिषासुर का वध किया, यह दुर्गा की उग्र करुणा की शक्ति है। इसलिए, माता दुर्गा को महिषासुरमर्दिनी के नाम से भी जाना जाता है – महिषासुर का वध करने वाली। अगली प्रस्तुति मधुराष्टक थी, यह पारंपरिक संस्कृत रचना भगवान कृष्ण की सुंदरता का गुणगान करती है। उनके होंठ, उनका चेहरा, उनकी आंखें और उनकी मुस्कान सभी खूबसूरत हैं। उनके चलने, खाने, बात करने और सोने के तरीके में सुंदरता है। इस सम्पूर्ण प्रस्तुति में कहानियां शामिल हैं - कृष्ण एक शिशु के रूप में, अपने दोस्तों के साथ गेंद खेलते हुए, मक्खन चुराते हुए, होली खेलते हुए, कालिया की हार। कृष्ण ब्रह्मांड की सारी सुंदरता पर शासन करते हैं। इस प्रस्तुति की कोरियोग्राफी पद्मश्री पंकज चरण दास ने की। दूसरे दिवस की अंतिम प्रस्तुति सुश्री मनाली देव, श्रीगणेश नृत्य कला मंदिर, मुंबई की कथक समूह नृत्य की रही। उन्होंने सर्वप्रथम गणेश वंदना प्रस्तुत की, तत्पश्चात तीन ताल में नृत्य प्रस्तुत किया। श्रीराम भजन के साथ नृत्य प्रस्तुत करते हुए ईश्वर के प्रति अटूट आस्था और पवित्रता को दिखाया। अंत में तराना से अपनी प्रस्तुति को विराम दिया।

कलावार्ता : 50वां खजुराहो नृत्य महोत्सव के दूसरे दिन 21 फरवरी, 2024 को प्रात: सर्वप्रथम कलावार्ता का सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध संगीतज्ञ भुवनेश कोमकली मुख्य वक्ता रहे। इस अवसर पर उन्होंने कलारसिकों से संवाद करते हुए कहा की संगीत, नृत्य और चित्र एक—दूसरे के समान है। जिस प्रकार एक चित्रकार विभिन्न आकारों को देखता है, उस ही तरह एक संगीतज्ञ भी अपने संगीत को आकार की तरह देखता है। महान संगीतज्ञ कुमार गंधर्व चहुंओर संगीत को देखते थे। वे परम्परा को बिना छेड़े नए—नए प्रयोग करते थे। वे लोक जीवन से प्रभावित होकर भी बंदिशों की रचना करते थे। उन्होंने चित्र और नृत्यों से प्रभावित होकर भी बंदिशें रचीं। वे प्रकृति के बेहद करीब थे और ऋतुओं के आधार पर अपने घर में पेड़—पौधे लगाए तथा उनसे प्रभावित होकर बंदिशें भी बनाई। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में संगीत के क्षेत्र में भी कई तकनीकें आ गई हैं, लेकिन अभी तकनीक का दुरुपयोग अधिक और सदुपयोग कम हो रहा है।

यदि यह तकनीक कुमार गंधर्व जी के समय में होती तो वे और भी कई चमत्कारी कार्य करते। कुमार गंधर्व जी प्रयोगों को बहुत महत्व देते थे वे लोक के बोलों को भी शास्त्रीय संगीत में लेकर आए और बंदिशें रचीं। इस अवसर पर कलारसिकों ने उनसे सवाल भी किए, एक सवाल के जवाब में भुवनेश ने कहा कि घराना एक शिक्षण पद्धति है और यह हर एक संगीतज्ञ के लिए आवश्यक है। आवश्यक नहीं कि एक ही घराना सीखें, एक से अधिक घरानों की शिक्षा—दीक्षा भी ले सकते हैं।

न्यूज बाक्स

निगम कर्मियों ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार आए सीएम डॉ मोहन यादव का बुधवार ईएलसी चौक में नगर निगम कर्मचारियों के दोनों ही संगठनों ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कर्मचारी हितों से जुड़ी समस्याओं के निराकरण किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन भी सौपा है। हालांकि सीएम के तकरीब दो घंटे लेट आने पर कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी चर्चा नहीं कर सके। इधर नगर निगम के माध्यम से शहर में निर्माण कार्य करने वाले स्थानीय ठेकेदारों ने भी सीएम को ज्ञापन सौपने की तैयारी कर रखी थी लेकिन निगम अधिकारियों द्वारा उनका भुगतान कराए जाने का आश्वासन मिलने पर ठेकेदारों ने इरादा बदल लिया। ठेकेदारों का कहना है कि यदि आश्वासन के बाद भुगतान नहीं मिलता है तो भोपाल जाकर सीएम से मुलाकात करेंगे।

जीवाजी विश्वविद्यालय में राज्य स्तरीय युवा उत्सव कल से

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में अंतर विश्वविद्यालय राज्य स्तरीय युवा उत्सव 23 फरवरी की सुबह से शुरू होगा। 25 फरवरी तक चलने वाले इस उत्सव में 12 विश्वविद्यालय के लगभग 900 प्रतिभागी शामिल होंगे। उनके बीच सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं चित्रकला सहित 22 विधाओं में मुकाबला होगा। हर विधा का मूल्यांकन कर विजेता घोषित करने के लिए विशेषज्ञों की मौजूदगी रहेगी।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने प्रचार रथ को दिखाई हरी झण्डी

रीवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुबोध कुमार जैन की अध्यक्षता एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अहमद रजा के नेतृत्व में 24 फरवरी को आयोजित होने वाली समाधान आपके द्वार शिविर लोक अदालत के अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुबोध कुमार जैन ने हरी झडी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना किया। इस अवसर पर ट्रेनिंग जज प्रिया सिंह चौहान, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा, लीगल डिफेस कौसिल के चीफ सुरेन्द्र सिंह, डिप्टी चीफ आनंद कुमार पाण्डेय, मजूर अहमद, लीगल असिस्टेट अनीष पाण्डेय उपस्थित रहे।

मानवाधिकार आयोग की बेंच रीवा में कल करेंगी सुनवाई

रीवा । मध्यप्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग की बेंच 23 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रात- 11 बजे से प्रकरणों की सुनवाई करेंगी। आयोग की अध्यक्ष मनोहर ममतानी तथा सदस्य राजीव कुमार टण्डन प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने प्रकरणों से जुड़े अधिकारियों से समस्त अभिलेखों के साथ सुनवाई में उपस्थित रहने के निर्देश दिये।

शिविर में 35 रोगियों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधियां दी

खरगोन । कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देशन में तथा जिला आयुष अधिकारी डॉ. वासुदेव आसलकर के मार्गदर्शन में शासकीय आयुर्वेद औषधालय रतनपुर द्वारा ग्राम रामगढ़ में एक दिवसीय नि:शुल्क आयुर्वेद रोग निदान एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 35 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान शिविर में उदर, अर्श, ज्वर, प्रतिशाय, श्वास, कास, चर्म रोग एवं संधिवात एवं अन्य रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधियों का वितरण किया गया।

व्यक्तित्व ही नहीं वरन् चरित्र निर्माण को लक्ष्य बनाकर ही युवा संस्कारित भारत का निर्माण करेगा : डॉ. भरत शर्मा

शामतक, इंदौर

विशिष्ठ स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट के वार्षिकोत्सव में लगभग 2000 छात्रों से भरे सभागार में कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य डॉ. भरत शर्मा ने उद्बोधित करते हुए कहा कि जीवन के लक्ष्य को केवल विकास या वृद्धि के लिए नहीं केंद्रित करो वरन् जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

जब विकासशील विचार और कर्म में अनुशासन, अध्यात्म, संवेदनशीलता, समर्पण, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक दायित्व का बोध मिलता है तब सफल जीवन की सार्थकता होती है । लक्ष्य प्राप्ति के

लिये युवाओं में जुनून, समक्षता, अनुसरण के अलावा धैर्य का होना बहुत आवश्यक है। आज के युवाओं की संस्कृति में वरिष्ठों के प्रति कृतज्ञता का अभाव है जिसे सुधारा जाना ज़रूरी है। डॉ. भरत शर्मा ने कार्यक्रम की शुरुआत दीपप्रज्वलित करके की। कार्यक्रम में डिजिटल वार्षिक पत्रिका का उद्घाटन किया गया और विद्यार्थियों द्वारा वार्षिकोत्सव की रंगारंग शुरुआत गणेश वंदना व सांस्कृतिक लोक गीत, नृत्य, गायन और वादन से की गई । कार्यक्रम में संस्था के विशिष्ट शिक्षक, शिक्षिकाओं व शिक्षण में श्रेष्ठप्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं के सम्मान मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। अतिथि परिचय और स्वागत संस्था के प्रधानाचार्य एस.एम. अनस इक़बाल ने स्मृतिचिन्ह देकर किया।

रेत माफिया के खिलाफ नर्मदापुरम प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

12 डंपर रेत और एक डंपर गिट्टी से भरा किया जप्त

एजेंसी, नर्मदापुरम। नर्मदापुरम में देर रात संयुक्त टीम में छापेमारी की है जिसमें 12 रेत से भरे ओवरलोड डंपरों को जप्त किया है। पूरी कार्रवाई में आरटीओ निशा चौहान यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा और खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम के नेतृत्व में हुई। रात 2 बजे पुलिस लाइन के बल के साथ 30 सदस्यीय टीम ने तवा पुल के पास से इन रेत से भरे डंपरों को जप्त किया। कार्रवाई होने से ओवरलोड परिवहन करने वालों में हड़कंप मच गया। चेकिंग के दौरान रेत से भरे 12 डंपर एवं 1 डंपर गिट्टी का ओवरलोड पाया गया। खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम ने बताया कि कलेक्टर के आदेश पर आज रात में संयुक्त टीम ने कार्रवाई की है बार बार ओवर लोड वाहनों की शिकायत प्राप्त हो रही थी जिस आज टीम ने कार्रवाई की किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना आए। इसलिए पुलिस लाइन का बल के साथ वज्र वाहन भी मौके पर आया है।

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने फास्ट फूड आउटलेट का निरीक्षण किया

सागर। संभागायुक्त डा. वीरेन्द्र सिंह रावत एवं कलेक्टर दीपक आर्य के आदेश पर अभिहित अधिकारी के निर्देशन में मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतगर्त खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही हैं। इस तारतम्य में गोपालगंज स्थित कृष्णा स्वीट्स एवं फास्ट फूड का निरीक्षण किया गया। खाद्य पदार्थों को ढकने के निर्देश दिये गये साथ ही बुंदी का नमूना शंका के आधार पर जांच हेतु लिया गया। इसके उपरांत गर्ल्स डिग्री कॉलेज के सामने स्थित खाद्य पदार्थों के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जिसके चलते कार्तिकीय डोसा सेन्टर से सांभर, नारियल चटनी के नमूने जांच हेतु लिये गये साथ ही साफ-सफाई से प्रतिष्ठान में साफ-सफाई रखने के निर्देश दिये गये और रजिस्ट्रेशन की प्रति प्रतिष्ठान पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिये गये।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन शाहगढ़ एवं बंडा में मिलावट के विरूद्ध कार्यवाही में सक्रिय रहा रोशन डेरी, लक्ष्मी डेरी, शाहगढ़ लंकी राज बेकरी, बंडा राठौर किराना, दलपतपुर आदि स्थान से दूध, मावा, पनीर, चिपस, नॉन खटाई. के लगभग 8 नमूने संग्रहित कर जांच हेतु भेजे गये है। समस्त खाद्य कारोबारकर्ता अपने प्रतिष्ठान के लाइसेस / रजिस्ट्रेशन का नवीनीकरण समय पर कराये। विभाग द्वारा मिलावट के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य विभाग की टीम ने कार्यवाही

प्रतिष्ठानों से दूध, घी, पनीर और मिर्च, धनिया पाउडर के लिए नमूने

शामतक, खरगोन

मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से दुग्ध एवं अन्य खाद्य पदार्थो के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए हैं।

निरीक्षण के दौरान खाद्य अधिकारियों की टीम ने यादव दूध डेयरी गवला, संत सिंगाजी दूध डेयरी गवला, मॉ नर्मदा दूध डेयरी कसरावद से दूध के नमूने संग्रहित किए है। वहीं सावरिया दूध डेयरी स्वीटस नमकीन लौहारी से दूध व घी का, रघुनंदन दूध डेयरी एवं मिल्क कलेक्शन लौहारी से मावा, पनीर, घी, जैन किराना लौहारी से साबुदाना, मुंगदाल, मुंगफली दाना, चायपत्ती एवं गुड़ का, संतोष किराना बिस्टान रोड़ खरगोन से मिर्च पाउडर, काला नमक, हल्दी पाउडर, चनादाल, धनिया पाउडर का नमूना संग्रहित किया है। जांच वास्ते लिए गए नमूने राज्य खाद्य परिक्षण प्रयोगशाला भोपाल को भेजे गये है। जॉच उपरांत संबंधित विक्रेताओं के विरूद्व खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत वैद्यानिक कार्यवाही की जाएगी। वहीं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा आगामी समय में समस्त जगहो पर विशेष अभियान चलाकर दुध एवं दूग्ध से बने खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर विधिवत निरंतर कार्यवाही की जायेगी।

नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्मान समारोह 25 को

ग्वालियर । अखिल जैन समाज ग्वालियर भगवान महावीर जयंती महोत्सव समिति द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं सम्मान समारोह का आयोजन 25 फरवरी रविवार को प्रात: 10 बजे श्वेताम्बर उपाश्रय, बैरागपुरा सराफा बाजार में किया जाएगा। प्रचार समिति के संयोजक संजीव पारख एवं अध्यक्ष डीके जैन ने बताया कि समिति के पूर्व अध्यक्ष कुशल कोठारी की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री नारायण सिंह कुशवाह एवं विशिष्ट अतिथि संजय भंसाली एवं डॉ. अभय कोठारी होंगे। बसंत जैन ने बताया कि शिविर में हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. नितिन जैन, नेत्र चिकित्सक डॉ. पवन सोनी, दंत चिकित्सक डॉ. सुरभि कोठारी, डॉ. अजीत जैन एवं डॉ. सुशील भदौरिया होम्योपैथी एवं एक्यूप्रेशर थेरेपिस्ट द्वारा परीक्षण कर नि:शुल्क परामर्श दिया जाएगा। उपाध्यक्ष तिलक जैन, जवाहर जैन, महासचिव दीपक तातेड़ ने बताया है कि इस मौके पर अनेक वर्षों से समिति के कार्यों में विशिष्ट योगदान देने वाले संगठन एवं शख्सियतों को सम्मानित किया जाएगा।

मानव अधिकार आयोग ने मामलों में संज्ञान लेकर संबंधितों से मांगा जवाब

हमनाम में राष्ट्रीयकृत बैंक से हुई त्रुटि, वारिसों को अदा कर दी राशि

शामतक, भोपाल/देवास

देवास जिले के बदनावर नगर के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में एक खाताधारक महिला की एफडी राशि का भुगतान उसके वारिसों को किये जाने का मामला सामने आया है। खाताधारक महिला का कहना है कि मेरे जीवित होने के बावजूद किस माध्यम से बैंक शाखा द्वारा मेरे वारिसों को एफडी की राशि का भुगतान किया गया। महिला को इसके कारण आर्थिक और मानसीक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में खाताधारक महिला ने क्षेत्रीय प्रबंधक, धार कार्यालय में बीते गुरूवार को आवेदन दिया है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक, धार से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही के संबंध में तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

दलित युवक को पीटा, पैर पर रगड़वाई नाक

देवास। देवास जिले के देवास बायपास पर उज्जैन के एक दलित युवक के साथ मारपीट करके उससे पैर पर नाक रगड़वाने का मामला सामने आया है। घटना बीती 8 फरवरी की है। जानकारी के अनुसार उज्जैन निवासी रामसिंह मकवाना को उसके दोस्त शुभम ने 8 फरवरी को दोस्त के जन्मदिन के बहाने देवास ले गया। जहां एक ढाबे पर आरोपी शुभम ने पीड़ित युवक से पांच लाख रूपये की फिरौती मांगने लगा। जब पीड़ित युवक ने विरोध किया तो उसने अपने दोस्तों के साथ पीड़िता को पीटने लगा और उससे अपने पैर पर नाक रगड़वाई। जिसका वीडियो बीते सोमवार को वायरल हुआ है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने पुलिस अधीक्षक, सिवनी से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही के संबंध में मामले के अनुसंधान के प्रगति प्रतिवेदन सहित तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

आयुष्मान से उपचार में फर्जीवाड़ा

रायसेन। रायसेन जिले के मंडीदीप के आशा अस्पताल में आयुष्मान कार्ड धारियों के कार्ड का दुरूपयोग करने का मामला सामने आया है। कार्डधारियों ने इसकी शिकायत प्रशासन के पास भी की है, लेकिन रसूखदार अस्पताल संचालक पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। मामले में शिकायत करने वाले कार्डधारियों को धमकियां भी दी जा रही है। शिकायत करने पुलिस थाने में पहुंचे कार्डधारियों को पुलिस ने शिकायत आवेदन लेकर चलता कर दिया। मामला सामने आया है। मंडी मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर एवं सीएमएचओ, रायसेन से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये आयुष्मान कार्ड के दुरूपयोग के विरूद्ध सुरक्षात्मक उपाय के संबंध में प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है। साथ ही त्रुटिकर्ता अस्पताल के विरूद्ध कार्यवाही और उससे इन योजना से बाहर रखने के संबंध में भी कार्यवाही का भी प्रतिवेदन मांगा है।

पुलिस टीम पर कुल्हाड़ी से हमला

शिवपुरी। शिवपुरी जिले के मायापुर थाना अंतर्गत ग्राम बनयानी में बीते मंगलवार को गांव के एक ही परिवार के आधा दर्जन से अधिक लोगों द्वारा पुलिस टीम पर लाठियों व कुल्हाड़ी से हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने इनके वाहन में भी तोड़फोड़ की है। जब पुलिस टीम एक पूर्व के मामले में दर्ज सीएम हेल्पलाइन की जांच में गये थे, तभी इसी विवाद के चलते घटना हुई। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने पुलिस अधीक्षक, शिवपुरी से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही के संबंध में 15 दिन में जवाब मांगा है।

आदिवासी युवक को हाथ पैर बांध कर पीटा, पेंचिस से उधेड़ दी चमड़ी :

सिवनी। सिवनी जिले में एक किराना व्यापारी ने अपने आदिवासी कर्मचारी को चोरी के शक में बंधक बनाकर निर्दयता से मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोपित किराना व्यापारी ने पीड़ित युवक के परिजनों के सामने ही उसकी पेंचिस से चमड़ी उखाड़ दी। परिजनों का आरोप है कि किराना व्यापारी जबरन चोरी के शक में उससे 1.12 लाख वापस मांग रहा था, और पीड़ित युवक पर दबाव डालकर 14 एकड़ जमीन अपने परिचित आदिवासी के नाम करवा ली। पीड़िता ने बीते सोमवार को घटना की एफआईआर दर्ज कराई। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने पुलिस अधीक्षक, सिवनी से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही के संबंध में मामले के अनुसंधान के प्रगति प्रतिवेदन सहित तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

मिड-डे मील खाने के बाद चार छात्राएं बीमार

सतना। सतना जिले के शासकीय प्राथमिक शाला कुलगढ़ी में मिड-डे मील खाने के बाद चार छात्राओं के बीमार होने का मामला सामने आया है। मिड-डे मील खाने के बाद उल्टी होने की शिकायत पर चारों छात्राओं को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर, सतना से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही के संबंध में तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

न्यूज बाक्स

आतंकी पन्नू ने दी भारत और इंग्लैंड का मैच रद्द करने की धमकी

एजेंसी, नई दिल्ली। अमेरिका में रहने वाले आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू द्वारा यहां भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे टेस्ट मैच को बाधित करने की धमकी देने के बाद रांची में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्रालय द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए पन्नू ने सोशल मीडिया पर जारी किए गए एक वीडियो के माध्यम से प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से मैच को बाधित करने की अपील की है। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच 23 फरवरी से यहां जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में शुरू होगा। इंग्लैंड की टीम मंगलवार को यहां पहुंच गई है। गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने भारत और इंग्लैंड की टीम को रांची में मैच रद्द करने की धमकी दी है। उसने मैच रद्द करने के लिए भाकपा से व्यवधान पैदा करने का आग्रह किया है।

पाक: शाहबाज पीएम, आसिफ अली जरदारी राष्ट्रपति बनेंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सरकार बनाने के लिए नवाज की पार्टी पीएमएल-एन और बिलावल की पार्टी पीपीपी गठबंधन को तैयार हो गई हैं। मंगलवार देर रात दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की शर्तों पर सहमति बनी। बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि एक बार फिर शाहबाज शरीफ प्रधानमंत्री होंगे। आसिफ अली जरदारी प्रेसिडेंट पद संभालेंगे। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी समर्थित उम्मीदवार और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल केंद्र में सरकार बनाने के लिए संसद में बहुमत हासिल नहीं कर सके। पीपीपी और पीएमएल-एन को सरकार बनाने के लिए बहुमत मिल गया है। अब हम सरकार बना सकते हैं। पाकिस्तान में 8 फरवरी को चुनाव हुए थे। किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत (134 सीट) नहीं मिला, इसलिए नतीजे आने के 12 दिन बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान में किसी की सरकार नहीं बन सकी है।

साउथ कोरिया में डॉक्टरों की हड़ताल

सियोल। साउथ कोरिया में करीब 1600 डॉक्टर्स हड़ताल पर चले गए। इससे हेल्थ सेक्टर भारी दबाव में है। हड़ताल पर जाने डॉक्टर्स सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें नए मेडिकल कॉलेजेस के जरिए डॉक्टर्स की भर्ती की जानी है। हड़ताल करने वाले डॉक्टर्स का कहना है कि इससे कॉम्पिटिशन बढ़ेगा और उनकी सैलरी भी कम हो जाएगी। साउथ कोरिया जैसे डेवलप्ड देश में मेडिकल फेसेलिटीज का हाल बुरा है। यहां एक हजार लोगों पर सिर्फ 2.5 डॉक्टर्स हैं। हेल्थ इंडेक्स के लिहाज से देखें तो मेडिकल फेसेलिटीज के लिहाज से साउथ कोरिया मैक्सिको के बाद दूसरे नंबर पर है।

मशरूम की खेती में सरकार करती है मदद किसानों को दिया जाएगा अनुदान : विजय

एजेंसी, प्रयागराज। मशरूम शुद्ध शाकाहारी भोजन करने वालों का पसंदीदा बन चुका है। यही नहीं इसकी खेती में सरकार भी मदद करती है। पनीर के बाद मशरूम ही है जिसकी शाकाहारियों में सबसे ज्यादा डिमांड होती है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए किसान भी मशरूम की खेती करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। हालांकि यह अन्य प्रकार की फसलों से काफी अलग होता है। इसलिए इसकी खेती करने के लिए किसानों को गहन प्रशिक्षण की जरूरत होती है। प्रयागराज में स्थित औद्योगिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र खुसरो बाग में मशरूम की खेती का प्रशिक्षण मुख्य उद्यान विशेषज्ञ विजय किशोर सिंह के द्वारा किया गया है। ये प्रशिक्षण 14 फरवरी से 16 फरवरी तक चला। इस दौरान कई किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया और मशरूम की खेती करने में दिलचस्पी दिखाई। विजय किशोर सिंह बताते हैं कि मशरूम की खेती करने वाले किसानों को सरकार की ओर से विशेष अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि किसानों को प्रशिक्षण के दौरान मशरूम की खेती से संबंधित बारिकियों को समझाया गया। ताकि वह अच्छी फसल उगा सके और लागत से ज्यादा मुनाफा कमाने सफल हो सके। इस समय मशरूम की डिमांड लोगों के बीच काफी बढ़ गयी है। अब शादियों में भी अन्य सब्जियों के साथ मशरूम भी एक ऑप्शन बन गया है। मुख्य उद्यान विशेषज्ञ विजय किशोर सिंह बताते हैं कि विश्व में मशरूम की करीब 14 हजार प्रजातियां मौजूद हैं। लेकिन सभी मशरूम खाने के योग्य नहीं होते हैं। खाने योग्य मशरूम विश्व में लगभग 2000 और भारत में 280 प्रकार की मौजूद हैं। ऐसे में इनकी खेती कैसे करनी है मशरूम की औषधि गुण क्या है, मशरूम में पाए जाने वाले प्रमुख विटामिन और प्रोटीन कौन-कौन से हैं, यह सभी बातें प्रशिक्षण के दौरान किसानों को बताई गई हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर ने सोशल मीडिया कंपनियों पर ठोका मुकदमा

एजेंसी, न्यूयॉर्क। मेंटल हेल्थ इश्यूज की लेकर न्यूयॉर्क के मेयर ने सोशल मीडिया कंपनियों पर मुकदमा कर इसे एक बार फिर से चर्चा का विषय बना दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने हाल ही में जानकारी देते हुए कहा कि उनके प्रशासन ने युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य संकट को बढ़ावा देने के लिए मेटा प्लेटफॉर्म के फेसबुक और इंस्टाग्राम सहित सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

> **युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य संकट को बढ़ावा देने का है आरोप**

कैलिफोर्निया सुपीरियर कोर्ट में दायर मुकदमे में अल्फाबेट के यूट्यूब, स्नैप इंक के स्नैपचैट और बाइटडांस के टिक टॉक का नाम भी शामिल है। आरोप है कि उपरोक्त कंपनियों ने जानबूझकर अपने प्लेटफॉर्म को इस तरह डिजाइन किया है कि बच्चों और किशोरों को सोशल मीडिया की लत लग जाए। ये सभी प्लेटफॉर्म बच्चों पर हानिकारक प्रभाव डालने के लिए जिम्मेदार हैं। दावा है कि न्यूयार्क में सैकड़ों स्कूल और स्वास्थ्य संगठनों एक साथ मिलकर मेंटल हेल्थ की समस्या के खिलाफ लड़ने के लिए आगे आए हैं। इसी के तहत सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमा किया है ताकि वो सुधार करें और बच्चों की मेंटल हेल्थ पर बुरा असर न पड़े। कथित तौर पर न्यूयॉर्क शहर युवा मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर सालाना 100 मिलियन डॉलर से अधिक खर्च करता है। ताकि बच्चों को मेंटल हेल्थ की समस्या से दूर रखा जा सके। एडम्स ने अपने बयान में कहा, पिछले एक दशक में हमने देखा है कि ऑनलाइन दुनिया कितनी बिजी और खराब हो सकती है। इसके जरिए हमारे बच्चे, किशोर और युवा लगातार हानिकारक सामग्री के संपर्क में आ रहे हैं। सीधे तौर पर यह युवा मानसिक स्वास्थ्य संकट को बढ़ाती है। न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने एनवायसी मेयर की पहल की सराहना की है।

सरकार को हैकिंग संबंधी अलर्ट पर स्पष्ट जवाब का इंतजार

एप्पल की तरफ से पांच महीने पहले भेजा था अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। आईफोन विनिर्माता एप्पल की तरफ से पांच महीने पहले भेजे गए हैकिंग संबंधी अलर्ट पर अभी भी स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। केंद्र सरकार एप्पल कंपनी की ओर से स्प्ष्ट जवाब का इंतजार कर रही है। संदेश में एप्पल ने विपक्षी नेताओं को आगाह किया था कि कथित तौर पर सरकार-समर्थित हैकर उनके फोन की हैकिंग के प्रयास कर रहे हैं। इस पर सरकार की तरफ से एप्पल से कुछ स्पष्टीकरण मांगा गया था। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार ने एप्पल से दो सवाल पूछे हैं। पहला सवाल उनके उपकरणों के सुरक्षित होने से संबंधित है जबकि दूसरा सवाल विपक्षी सदस्यों को अलर्ट भेजने की वजह से जुड़ा है। चंद्रशेखर ने कहा, मेरी राय में यह ऐसी बात नहीं है जिसे कोई भी मंच कमजोरियां होने पर भी पूरी तरह से स्वीकार करेगा। किसी भी मंच में इस बात से इनकार करने की प्रवृत्ति होती है कि उनके सुरक्षा कवच को भेदा जा सकता है। चंद्रशेखर ने कहा, हम कंपनी से एक स्पष्ट सवाल पूछ रहे हैं कि क्या आपका फोन असुरक्षित है? इसका जवाब पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है।

अक्टूबर में विपक्षी दलों के कई नेताओं ने दावा किया था कि उन्हें एप्पल से एक अलर्ट मिला है जिसमें राज्य-प्रायोजित हमलावरों द्वारा उनके आईफोन को दूर से ही नियंत्रित करने की कोशिश और सरकार की तरफ से कथित हैकिंग की चेतावनी दी गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा, जब ये आरोप लगाए गए थे, उसी दिन हमने स्पष्ट तौर पर कहा था कि इसका जवाब एप्पल को देना है क्योंकि इसमें उनका फोन शामिल है। हमारे पास यह समझने के लिए सरकार में शोध एवं विकास क्षमता नहीं है कि उसके ऑपरेटिंग सिस्टम आईओएस में क्या है और क्या नहीं है।

दुनिया के टॉप टेन अमीरों में शामिल हुए मुकेश अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दुनिया के टॉप 10 अमीरों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। फोर्ब्स की रियल टाइम बिलेनियर्स लिस्ट के अनुसार मुकेश अंबानी की नेटवर्थ अब 114 बिलियन डॉलर (करीब 9.45 लाख करोड़ रुपए) हो गई है। उन्होंने गूगल के को-फाउंडर सर्गी ब्रिन को पीछे छोडक़र टॉप 10 में जगह बनाई है। इस लिस्ट में फ्रांसीसी अरबपति और लुई विटॉ मोएट हेनेसी के सीईओ बर्नार्ड अरनॉल्ट टॉप पर हैं। अरनॉल्ट की नेटवर्थ 222 बिलियन डॉलर (करीब 18.60 लाख करोड़ रुपए) है। वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क हैं। उनकी नेटवर्थ 16.74 लाख करोड़ रुपए है। मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 5 साल में 36 बिलियन डॉलर (करीब 2.89 लाख करोड़ रुपए) से बढक़र 114 बिलियन डॉलर (करीब 9.45 लाख करोड़ रुपए) पर पहुंच गई है। यानी अंबानी की नेटवर्थ 5 साल में दोगुने से भी ज्यादा बढ़ी है।

मानव जीवन की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे : भूपेन्द्र यादव

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने वायनाड में बाघ और हाथी के हमलों में मारे गए लोगों के घरों का दौरा किया। बेंगलुरु से सीधे वायनाड के दो दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री ने जंगली जानवरों के हमले में मारे गए लोगों के घरों का दौरा किया। यादव ने बाघ के हमले में मारे गए प्रजीश और हाथियों के हमले में मारे गए पॉल और अजीश के घरों का दौरा किया। भूपेन्द्र यादव ने पीड़ितों के परिजनों को सांत्वना दी और उनकी तथा स्थानीय निवासियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मानव-पशु संघर्ष एक बड़ी समस्या है। सरकार ऐसी समस्याओं के समाधान के लिए इस क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों और वैज्ञानिकों को राजनीतिक और प्रशासनिक रूप से हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, इस मुद्दे का कोई समाधान होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस समस्या में कर्नाटक और केरल दो राज्य शामिल हैं, इसलिए दोनों राज्यों के संबंधित अधिकारियों से विचार-विमर्श किया जा रही है। यादव ने कहा कि वे 22 फरवरी को स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों और इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों से मुलाकात करेंगे, बैठक के बाद इस संबंध में अधिक जानकारी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से निर्देशित हैं कि पर्यावरण और मानव जीवन, समान रूप से महत्वपूर्ण हैं और उनकी रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जानवर दया और करूणा के पात्र हैं लेकिन नई तकनीक की मदद से मानव जीवन की रक्षा की जानी चाहिए।

साहित्य/ व्यंग्य

पुस्तकों के प्रति रूचि बढ़ाता विश्व पुस्तक मेला

नई दिल्ली में प्रतिवर्ष नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) द्वारा एक विशेष थीम के साथ एशिया के सबसे बड़े विश्व पुस्तक मेले का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 10 से 18 फरवरी के बीच 'बहुभाषी भारत-एक जीवंत परम्परा' थीम के साथ पुस्तक प्रेमियों के लिए दिल्ली के प्रगति मैदान में कुल 9 दिनों तक 51वें विश्व पुस्तक मेले का आयोजन हो रहा है, जिसके माध्यम से भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और भाषाई विविधता को परिलक्षित किया जा रहा है। पुस्तक मेले में बच्चों की भाषा सीखने के कौशल को बढ़ावा देने के लिए भी विभिन्न भाषाओं में कई तरह की पुस्तकें शामिल की गई हैं। विश्व पुस्तक मेले का अतिथि देश इस बार सऊदी अरब है। इसके अलावा यूके, फ्रांस, स्पेन, तुकिये, इटली, रूस, ताइवान, ईरान, यूएई, ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल सहित कई अन्य देश भी पुस्तक मेले में हिस्सा ले रहे हैं। पुस्तक मेले में हिन्दी, अंग्रेजी सहित कुल 22 भारतीय भाषाओं के अलावा कई विदेशी भाषाओं के साहित्य का भी प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले में सऊदी अरब सहित अन्य विदेशी साहित्य को अलग से स्थान दिया गया है।

एनबीटी के मुताबिक 'नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला' (एनडीडब्ल्यूबीएफ) प्रकाशन जगत का एक प्रमुख कैलेंडर कार्यक्रम है, जो पिछले 50 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है और इस वर्ष एनडीडब्ल्यूबीएफ के 51 साल पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है। पिछले साल नई दिल्ली में भव्य विश्व पुस्तक मेला नई दिल्ली में 25 फरवरी से 5 मार्च तक कुल 9 दिन तक आयोजित किया गया था।

विश्व पुस्तक मेला पुस्तकों और साहित्य का सबसे बड़ा उत्सव है, जिसका इंतजार केवल राजधानी दिल्ली के ही नहीं बल्कि देशभर के साहित्यकार और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग करते हैं। इसमें न केवल भारत के बल्कि दुनियाभर के प्रकाशक, लेखक और पाठक हिस्सा लेते हैं। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा पहली बार 1972 में 18 मार्च से 4 अप्रैल तक 'विश्व पुस्तक मेला' दिल्ली के जनपथ रोड पर विंडसर प्लेस में आयोजित किया गया था, जिसमें दो सौ प्रकाशकों ने भाग लिया था और उसका उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति वीवी गिरी ने किया था। शुरुआत में पुस्तक मेले में 4-5 देश ही शामिल होते थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब 30 से भी ज्यादा हो गई है। 1972 से

2012 तक पुस्तक मेले का आयोजन बाइनियल ईयर (सम संख्या का वर्ष) में किया जाता था, उसके बाद से इसका आयोजन प्रतिवर्ष होता है। विश्व पुस्तक मेले का इस साल 51 वर्षों का सफर पूरा हो रहा है। देश में बच्चों के ऐसे भविष्य की परिकल्पना करते हुए, जहां बच्चे पुस्तकें पढ़ने तथा पुस्तक खरीदने के माहौल में बड़े हों और पुस्तक-पठन संस्कृति को फैलाने के उद्देश्य से 1 अगस्त 1957 को शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की स्थापना की गई थी। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास समाज के सभी आयु वर्ग के लिए सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में पुस्तकों के प्रचार और प्रकाशन में सक्रिय रहा है। हालांकि आधुनिकता के दौर में बच्चों के साथ-साथ बड़ों का लगाव भी पुस्तकों के प्रति कम हो गया है किन्तु बुद्धिजीवियों का स्पष्ट मानना है कि हर समय यह संभव नहीं कि पुस्तकों के स्थान पर मोबाइल या लैपटॉप आदि से पढ़ा जाए। पुस्तकों की महत्ता और इनसे अर्जित ज्ञान के संबंध में सदैव कहा जाता रहा है कि ज्ञान कभी बेकार नहीं होता और पुस्तकें विभिन्न संस्कृतियों, पहचानों और भाषाओं के माध्यम से अपनी विशिष्टताओं को प्रकट करते हुए एक कहानी और एक सामान्य विरासत के आसपास लोगों को एक साथ लाती हैं। साहित्य में नोबेल पुरस्कार विजेता अमेरिकन उपन्यासकार तथा कहानीकार अर्नेष्ट हेमिंग्वे ने कहा था कि एक पुस्तक से ईमानदार मित्र कोई नहीं होता। आज के युग में समयाभाव का रोना रोते हुए हम भले ही त्वरित जानकारियों के लिए सोशल मीडिया या अन्य संचार स्रोतों पर आश्रित हो जाएं लेकिन सत्य यही है कि ज्ञान, मनोरंजन और अनुभव की बातें कहती पुस्तकों की महत्ता कभी कम नहीं हो सकती और न ही कभी पुस्तकों का अस्तित्व मिट सकता है। बहरहाल, पुस्तक मेले के माध्यम से बच्चों के अलावा मेले में मौजूद अन्य लोगों को भी पुस्तकों के सकारात्मक प्रभाव से जोड़ने की पहल सराहनीय है। विश्व पुस्तक मेले के आयोजन में इस बार बच्चों को विशेष रूप से केन्द्र में रखा गया है ताकि उनका जुड़ाव अच्छी पुस्तकों से ज्यादा से ज्यादा हो और वे अपने जीवन में मित्र के रूप में पुस्तक पढ़ने को स्वीकारें। कुल मिलाकर देखा जाए तो पुस्तकें हर समय साथ निभाती हैं और वास्तविक संतुष्टि पुस्तकें पढ़ने से ही मिलती है। अच्छी पुस्तकें बच्चों और युवा पीढ़ी को ज्ञानवान, संस्कारित और चरित्रवान बनाने में तो बहुत बड़ी भूमिका निभाती हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि जिन लोगों की दिलचस्पी पुस्तकों में होती है, वे पुस्तक पढ़े बिना संतुष्ट नहीं होते, फिर भले ही उस पुस्तक में वर्णित बातें विभिन्न संचार माध्यमों से वे पहले ही जान चुके हों। ऐसे में लोगों की पुस्तकों के प्रति रूचि बनाए रखने में विश्व पुस्तक मेला जैसे आयोजन सार्थक भूमिका रहे हैं।

-योगेश कुमार गोयल

भावना, सदभावना, दुर्भावना (व्यंग्य)

भौतिक युग में सम्प्रेषण इतना बढ़ गया है कि साथ साथ बैठे दो लोगों का बतियाना तो दूर दिल से मुस्कुरा एक दूसरे को देखने की फुर्सत नहीं है। उनकी भावनाएं शरीर में कैद हैं। अगर साथ बैठा व्यक्ति गिर जाए तो दूसरे का ध्यान बिलकुल भंग नहीं होगा। वह अपने मोबाइल पर महत्त्वपूर्ण सामग्री देखता रहेगा। यदि गिरा हुआ व्यक्ति उठ न पा रहा हो, परेशान हो रहा हो और चीखना शुरू कर दे तो साथ वाला पहले उसका वीडियो बनाएगा। वीडियो को अविलम्ब अपलोड करेगा। उससे पूछेगा कि क्या हुआ, अपना ध्यान क्यूं नहीं रखते।

अपने शरीर को ऐसे क्यूं गिराते हो कि दूसरों को परेशानी हो। यदि उसे अपना नुकसान न होता दिखा तभी आगे कुछ करने की सोचेगा। वह अपनी भावना के अनुसार ही काम करेगा क्यूंकि भावना ही सोच को विकसित करती है। समाज में अकेला पड़ता जा रहा इंसान अभी भी चाहता है कि उसकी ज़िंदगी और समाज में जो कुछ हो उसकी भावना के अनुसार हो। कई लोग यह भी चाहते होंगे कि मरने के बाद उनका संस्कार, उनके धर्म के अनुसार न करके, उन्हें दफनाया जाए। हर बरस उनके रिश्तेदार और मित्र, उनकी कब्र पर, उनके मनपसंद फूल रखने आएं। कुछ लोग यह भी चाहते होंगे कि उनके घर के आंगन में उनकी मूर्ति स्थापित की जाए। उनकी याद में हर साल एक खाना पीना समारोह आयोजित हो। लेकिन सच यह है कि इस तरह की भावनात्मक बातें सिर्फ ख्यालों में रह जाती हैं तभी कहा जाता है भावनाओं को नियंत्रण में रखना चाहिए नहीं तो सद्भावनाएं दुर्भावनाओं में बदल जाती हैं। भावनाओं की नदी के बीच आहत नामक पत्थर आ जाएं तो मुश्किल हो जाती है। छोटी सी बात पर मामले कोर्ट में चले जाते हैं। जब हम अपने दिल में उमड़ रही सुकोमल भावनाओं को दिमाग से खेलने दें तो परेशानी बढ़ जाती है। सुना है पिछले दिनों एक शेरनी का नाम एक पौराणिक देवी के नाम पर विचारित करने से भावनाएं आहत होने लगी जबकि हमारे पौराणिक चरित्रों में तो शक्ति का रूप देवी, शेर की सवारी करती दिखती हैं। इधर कृत्रिम बुद्धि ने भावनाओं को तकनीक की खाद डालकर उगाना शुरू कर दिया है। लगता है इंसानी जज़्बा नए आकार और रंग के फूलों में खिला करेगा। तब क्या भावनाओं को भी किसी प्रयोगशाला में उगाया जाएगा और बाज़ार में उनकी बिक्री हुआ करेगी, जैसी भावना चाहिए खरीद लो। यह सच फिर साबित हो रहा है कि भावना को हैंडल करना आसान काम नहीं है।

- संतोष उत्सुक

पहले चालान के क्या कहने (व्यंग्य)

पिछली सदी की बात करें तो कोई वाहन चालक अनजाने में या जानबूझकर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर देता था तो पुलिस पूरा सहयोग करती थी। सदभावपूर्ण बातचीत के आधार पर कुछ लेकर उसे जाने की अनुमति देती थी। चालक ज़्यादा चालाक बनता था या कागज़ परेशान करते थे तब ही चालान काटा जाता था। वाहन चालकों ने पुलिस को पटाने या धोखियाने के अपने अपने स्किल विकसित किए हुए थे। सड़क पर सहयोग का वातावरण बना रहता था। एक बार की बात है, पुलिस विभाग में नए भर्ती हुए कर्मचारी ने, एक पुराने स्कूटर का चालान करने के लिए जो कानूनी धाराएं हो सकती थी लगा दी। चालान की कुल राशी स्कूटर की कीमत से कहीं ज़्यादा बैठी तो परेशानी का मौसम बन गया। चालक के पास इतने पैसे नहीं थे और कर्मचारी के पास

अनुशासन और ईमानदारी दोनों नए नए थे। अनुभवी सलाह यह निकली, चालक अपना घिसा पिटा स्कूटर ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी के पास छोड़ आए ताकि उनके अनुभव में बढ़ोतरी हो। पिछले दिनों कमाल का ट्रैफिक चालान केस आया जो सार्वजनिक ज्ञान में बेहद इज़ाफा करता है। किन्हीं एक्टिवा चालक का चालान दुर्भाग्यवश हेलमेट न पहनने के कारण, ट्रैफिक पुलिस द्वारा किया गया। ड्राइविंग लाइसेंस रख लिया, अगले दिन चालान भुगतने जब जनाब कोर्ट पहुंचे तो उन्हें दो हज़ार जुर्माना हुआ। चालक ने फ़ख्र से कहा कि यह उनके जीवन का पहला चालान है इसलिए जुर्माना राशी कम कर दी जाए। उनका बेहतर ड्राइविंग इतिहास देखा गया तो सिस्टम भी यह देखकर हैरान रह गया कि चालकजी के एक सौ इक्यावन चालान ऑनलाइन कट चुके हैं। उन्होंने दो साल में तीन सौ बत्तीस बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया। हैरानी ने सभी का चालान कर दिया। चालक बहुत ज्यादा हैरान हुआ, उसे ज्यादा गुस्सा आया। वह व्यवस्था से झगड़कर चला गया जिसने उसका लाइसेंस पहली बार छ महीने के लिए सस्पेंड कर दिया। एफआईआर हुई, कई धाराओं में केस दर्ज हो गया। बिना हेमलेट चालान के दो हज़ार दे देता तो संभवत बच जाता। अब उस पर जुर्माने के पौने दो लाख रूपए बाक़ी हैं। दिलचस्प यह है कि एक्टिवा की कीमत चालीस हज़ार के करीब है। चालक ज़रूर सोच रहा होगा कि काश चालान ऑनलाइन न होकर मैनुअल होता तो सीन कुछ और ही होता। ऑनलाइन चालान प्रणाली द्वारा किए गए पहले चालान बारे उसे सूचना मिल जाती तो वह खबरदार हो जाता। बिना हेमलेट मैनुअल चालान को ज़िंदगी का पहला चालान न समझता।

4 जी खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 2023 असम में मप्र के शूटिंग खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने जीते दो स्वर्ण पदक

» मलखंब महिला एवं पुरूष टीम ने 01-01 रजत पदक

शामतक, भोपाल

4जी खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 का आयोजन असम, अरूणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, नागालेण्ड एवं त्रिपुरा में दिनांक 17 फरवरी से 29 फरवरी 2024 तक किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 4जी खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 में मध्यप्रदेश की 10 यूनिवर्सिटी - रवीन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन - 67, एलएनआईपीई. ग्वालियर - 32 आई.टी.एम. विश्वविद्यालय ग्वालियर-33, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल- 18 रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर-13 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन-12 एल.एन.सी.टी. विश्वविद्यालय, भोपाल-02, मध्यांचल प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, भोपाल-01 देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर- 12 और आई.ई.एस. भोपल- 2 खिलाड़ी सहित कुल 192 खिलाड़ियों ने पात्रता प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त 19 खिलाड़ी प्रदेश के बाहर के विश्वविद्यालयों से प्रतिभागिता कर रहे है। इस प्रकार प्रदेश के कुल 211 खिलाड़ी खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स में प्रतिभागिता कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालय के 211 खिलाड़ियों ने 14 खेलों में खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स में पात्रता अर्जित की है। खेलो का विवरण इस प्रकार है - शूटिंग, फेंसिंग, बॉक्सिंग, एथेलेटिक्स, कुश्ती, हॉकी, बैडमिंटन, जूडो, बास्केटबाल, टेनिस, व्हॉलीबाल, मलखंब, तैराकी एवं आर्चरी।

शूटिंग के परिणाम: प्रतियोगिता अंतर्गत मध्यप्रदेश के खिलाड़ी श्री एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 10 मी. एयर रायफल पुरूष व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा में शूटिंग खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुये 02 स्वर्ण पदक अर्जित किये। श्री एश्वर्य प्रताप सिंह मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के खिलाड़ी है। उन्होंने गुरूनानक देव विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुये यह उपलब्धि दिलायी है।

उल्लेखनीय है कि श्री एश्वर्य प्रताप सिंह, देश के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के चोटी के शूटिंग खिलाडी है। वर्ष 2023 में चायना होंगजाउ में आयोजित एशियन गेम्स में एश्वर्य प्रताप सिंह ने 10 मी. रायफल 3 पोजीशन स्पर्धा में 02 स्वर्ण, 01 रजत और 01 कांस्य सहित कुल 04 पदक अर्जित करने वाले भारत के पहले युवा खिलाड़ी है। हॉल ही में दिनांक 09.01.2024 को एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर को खेल के क्षेत्र में अविस्मर्णीय खेल उपलब्धियों अर्जित करने एवं योगदान देने के लिए महामहीम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू महोदया जी द्वारा देश के सर्वश्रेष्ठ खेल पुरस्कार 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया था। एश्वर्य प्रताप सिंह ने अंतर्राष्टीय स्तर पर 10 स्वर्ण, 04 रजत और 06 कांस्य पदक सहित 20 और राष्टीय स्तर पर 18 स्वर्ण, 7 रजत और 06 कांस्य सहित कुल 30 पदक अर्जित कर किये हैं। वर्तमान में म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी भोपाल में ही प्रशिक्षणरत् हैं।

म.प्र. राज्य खेल अकादमी की शूटिंग खिलाड़ी कु. आशी चौकसे फायनल में

अकादमी की ही खिलाड़ी कु. आशी चौकसे ने 50 मी. 3 पोजी. एयर रायफल इवेन्ट में फायनल में अपनी जगह बनायी है। आशी चौकसे भी म.प्र.राज्य शूटिंग अकादमी की खिलाड़ी है। खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी खेलो में गुरूनानक देव विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रही है।

मलखंब के परिणाम : मलखंब के टीम इवेन्ट में मध्यप्रदेश की विक्रम यूनिवर्सिटी, उज्जैन की पुरूष और महिला टीम ने जीता 01-01 रजत पदक

मलखंब महिला टीम के परिणाम: खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स के मलखंब के महिला वर्ग के मुकाबलों में टीम इवेंट में विक्रम यूनिवर्सिटी की टीम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता के मलखंब के मुकाबलों में मुम्बई यूनिवर्सिटी की टीम 84.35 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर रही। मध्यप्रदेश की टीम ने 81.45 के अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रही और तृतीय स्थान पर सवित्री बाई फूले पुणे यूनिवर्सिटी की टीम 79.45 अंकों के साथ रही।

मध्यप्रदेश की रजत पदक विजेता मलखंब महिला टीम के खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है: - 1. कु.संजना प्रजापति, 2. कु. सोनू मण्डावलिया, 3. कु. चंद्रिका मिटोले, 4. कु. पायल माण्डवलिया, 5. कु. राजनंदनी कहार, 6. कु. अंकिता नागर।

मलखंब पुरूष टीम के परिणाम

- प्रतियोगिता के पुरूष वर्ग मुकाबलें में यूनिवर्सिटी ऑफ मुम्बई स्वर्ण पदक - 123.50 अंको के साथ।
- विक्रम विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश रजत पदक - 19.85 अंकों के साथ।
- सावित्री बाई बाई फूले पुणे यूनिवर्सिटी, पुणे कांस्य पदक - 117.05 अंको के साथ।

मध्यप्रदेश की रजत पदक विजेता मलखंब पुरूष टीम के खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है :

- विनेश सुगंधी, 2. प्रणव कोरी, 3. श्री प्रणीत यादव, 4. श्री कुदन कछावा, 5. नमन गवली 6. यश मामोदिया।

आर्चरी के परिणाम: म.प्र. राज्य आर्चरी अकादमी के खिलाड़ी चिराग विद्यार्थी ने 50मी. व्यक्तिगत स्पर्धा के कम्पाउण्ड इवेन्ट में फायनल में प्रवेश कर अपना पदक सुनिश्चित किया। चिराग रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

न्यूज बाक्स

अश्विन को नहीं मिला पर्याप्त श्रेय : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन को अपने 500 टेस्ट विकेट पूरे करने पर बधाई देते हुए कहा कि उन्हें पर्याप्त श्रेय नहीं मिला। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में अपने 500 टेस्ट विकेट पूरे किए थे। ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह दूसरे दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं। अश्विन की इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए डिविलियर्स ने कहा है कि जितना उन्हें सराहना मिलनी चाहिये थी वह नहीं मिली। अश्विन गेंदबाजी के साथ साथ बल्लेबाजी में भी निचले स्तर पर अहम भूमिका निभाते हैं। ये भी सभी को ध्यान रखना होगा कि भारत की ओर से अभी तक केवल 2 गेंदबाज ही 500 या इससे ज्यादा टेस्ट विकेट ले पाए हैं और इसमें अश्विन दूसरे नंबर पर हैं। वहीं पहले नंबर पर दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंबले हैं जिनके नाम 619 टेस्ट विकेट हैं। डिविलियर्स ने कहा,'क्या शानदार उपलब्धि है। बधाई अश्विन। आप उन खतरनाक गेंदबाजों में शामिल हो जिनके खिलाफ मैंने खेला है। आप बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही विभागों में शानदार रहे हैं। आप भारतीय टीम की अमूल्य संपत्ति हो। साथ ही कहा कि एक दिग्गज खिलाड़ी होने के बाद भी उन्हें पर्याप्त श्रेय नहीं दिया जाना निराशाजनक है।

नॉर्थम्पटनशर की ओर से खेलेंगे करूण

नॉर्थम्पटन । भारतीय क्रिकेटर करूण नायर एक बार फिर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक की ओर से खेलने वाले करूण इस सत्र में इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप में नॉर्थम्पटनशर की ओर से खेलेंगे। करुण को इस टीम की ओर से 7 काउंटी मैच खेलने हैं। उन्होंने पिछले सत्र में काउंटी में डिविजन वन में आखिरी 3 मैच खेलकर 78, 150 और 21 रन बनाए थे। वहीं टीम इस साल डिविजन टू में फिसल गयी है। इस बल्लेबाज ने मैं काउंटी चैम्पियनशिप की ओर से खेलने को लेकर खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि अवसर देने के लिए वह कोच और कप्तान के आभारी हैं। इस बल्लेबाज ने भारतीय टीम की ओर से 6 टेस्ट और 2 एकदिवसीय खेले हैं। उन्होंने चेन्नई में 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ तिहरा शतक 303 रन बनाकर धूम मचायी थी पर इसके बाद भी वह टीमें जगह पक्की नहीं कर पाये। करुण टेस्ट में वीरेंद्र सहवाग के बाद तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। वहीं टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में नायर की जगह पृथ्वी शॉ नॉर्थम्पटनशर की ओर से खेलेंगे। पृथ्वी ने गत वर्ष भी काउंटी में शानदार प्रदर्शन किया था पर इसके बाद चोटिल होने के बाद उन्हें बीच में ही काउंटी छोड़कर स्वदेश लौटना पड़ा था।

भड़कीले अंदाज के लिए जानी जाती है डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार चेल्सी

फ्लोरिडा । कनाडा मूल की अमेरिकी डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार चेल्सी ग्रीन अपने भड़कीले अंदाज के लिए जानी जाती है। अब चेल्सी ने एक बार फिर अपने हॉट फोटोशूट से सभी का ध्यान खींचा है। 31 वर्षीय चेल्सी के प्रशंसकों की भी अच्छी खासी तादाद है। उसके इंस्टाग्राम पर 780,000 फॉलोअर्स हैं। वह अपनी खूबसूरती का प्रदर्शन करने में काफी पीछे नहीं रही हैं। चेलिसा अपनी फिटनेस को लेकर भी सतर्क रहती हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ ही चेल्सी विज्ञापन जगत से भी जुड़ी हैं। वह मॉडलिंग में हर ब्रांड की पसंदीदा रही हैं। फिर चाहे वह लिंगरी उत्पाद हों या प्लेब्वॉय मैग्जीन के लिए हॉट अंदाज अपनाना। इस बार चेल्सी की ताजा तस्वीरें देखकर प्रशंसक कमेंट करने में पीछे नहीं रहे। एक ने लिखा, आप यहां आग लगाने ही आती हैं तो दूसरे ने लिखा, आप बेहद खूबसूरत हैं।

मुंबई और दिल्ली होंगे आमने-सामने, युवा भारतीय खिलाड़ियों पर होगी निगाह

एजेंसी, बेंगलुरु। मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस और पिछली बार के उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स के बीच शुक्रवार को यहां होने वाले मैच से दूसरे महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का आगाज होगा जिसमें भारत की युवा खिलाड़ियों पर निगाह टिकी रहेगी। पिछले साल डब्ल्यूपीएल का पहला टूर्नामेंट मुंबई में खेला गया था लेकिन इस बार इसका आयोजन बेंगलुरु और नयी दिल्ली में किया जाएगा।

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुकी हैं लेकिन डब्ल्यूपीएल में टीम का काफी दारोमदार इस अनुभवी बल्लेबाज पर टिका रहेगा। उन्होंने पिछले साल इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाए थे जबकि मुंबई की गेंदबाज हेली मैथ्यूज ने सर्वाधिक 16 विकेट लिए थे। टूर्नामेंट में विदेशों की कई स्टार खिलाड़ी भाग लेगी जिनके बीच भारत की युवा खिलाड़ी अपनी चमक बिखरने की कोशिश करेंगी। पिछले साल भारतीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। जिन युवा भारतीय खिलाड़ियों पर निगाह टिकी रहेगी उनमें श्रेयंका पाटिल भी शामिल हैं जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की तरफ से खेलेगी। पाटिल ने पिछले 10 महीनों में अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच उन्हें भारत की तरफ से टेस्ट और वनडे क्रिकेट में प्रदार्पण करने का मौका भी मिला। इसी तरह की कहानी दिल्ली कैपिटल्स की टिटास साधु की है जिन्हें पिछली बार एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था लेकिन इस बार उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

टीमें : मुंबई इंडियंस - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), अमनजोत कौर, अमेलिया केर, क्लो ट्रायॉन, हेली मैथ्यूज, हुमैरा काजी, इस्सी वोंग, जिन्तिमनी कलिता, नट साइवर-ब्रंट, पूजा वस्त्राकर, प्रियंका बाला, सैका इशाक, यास्तिका भाटिया, शबनिम इस्माइल, एस सजना, अमनदीप कौर, फातिमा जाफर, कीर्तन बालाकृष्णन।

दिल्ली कैपिटल्स - मेग लैनिंग (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, लौरा हैरिस, शैफाली वर्मा, एलिस कैप्सी, एनाबेल सदरलैंड, अरुंधति रेड्डी, अश्विनी कुमारी, जेस जोनासेन, मारिज़ैन कैप, स्नेहा दीप्ति, मिन्नू मणि, राधा यादव, शिखा पांडे, अपर्णा मंडल , तानिया भाटिया, पूनम यादव, टिटास साधु।

श्रेयस अय्यर को एनसीए ने फिट घोषित किया

पीठ दर्द के कारण रणजी ट्रॉफी से हुए थे बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम से बाहर किए गए श्रेयस अय्यर पीठ दर्द के कारण शुक्रवार से बीकेसी ग्राउंड में बड़ौदा के खिलाफ मुंबई के आगामी रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए। लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में खेल विज्ञान और चिकित्सा के प्रमुख नितिन पटेल ने चयनकर्ताओं को एक ईमेल में पुष्टि की कि अय्यर को कोई ताजा चोट नहीं है और वह फिट हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के बाद भारतीय टीम की हैंडओवर रिपोर्ट के अनुसार श्रेयस अय्यर फिट थे और चयन के लिए उपलब्ध थे। टीम इंडिया से उनके जाने के बाद फिलहाल किसी ताजा चोट की सूचना नहीं है। अय्यर इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में कोई छाप नहीं छोड़ पाए थे, उन्होंने हैदराबाद में 35 और 13 रन बनाए, इसके बाद विशाखापत्तनम में 27 और 29 रन बनाए। अपने पिछले सात टेस्ट मैचों में उन्होंने 17 की औसत से केवल 187 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर सिर्फ 35 रहा है। रणजी ट्रॉफी में अय्यर ने इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए आंध्र पर मुंबई की दस विकेट की जीत में 48 रन बनाए थे। लेकिन टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद उन्होंने प्रतियोगिता का आखिरी दौर नहीं खेला। अय्यर ने विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट के बाद पीठ में ऐंठन की शिकायत की थी। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने बीसीसीआई की मेडिकल टीम से जानकारी लेने के बाद श्रेयस को रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए कहा ताकि उनकी पीठ बल्लेबाजी और मैदान पर तनाव से अभ्यस्त हो जाए। अय्यर की स्थिति को लेकर भ्रम की स्थिति तब पैदा हुई जब बीसीसीआई सचिव जय शाह ने केंद्र-अनुबंधित और भारत ए क्रिकेटरों को घरेलू क्रिकेट में भाग न लेने पर चेतावनी दी थी जिसमें कहा गया था कि घरेलू क्रिकेट पर आईपीएल को प्राथमिकता देने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएंगे।

सचिन ने बर्फबारी का आनंद लेने के साथ ही कश्मीर घाटी में युवाओं के साथ क्रिकेट खेला

एजेंसी, श्रीनगर ।

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अपने परिवार के साथ अभी कश्मीर घाटी के दौरे पर हैं। सचिन के यहां पहुंचते ही बर्फबारी भी शुरु हो गयी। सचिन अपने परिवार के साथ तीन दिन तक गुलमर्ग स्की रिसॉर्ट में रहे जहां उन्होंने बर्फबारी का भी आनंद लिया।

उन्होंने गुलमर्ग में कुछ देर स्नो बाइक भी चलाई। सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया है। इसमें सचिन स्थानीय युवाओं के साथ क्रिकेट खेलते भी दिखे। उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ तस्वीर भी खिंचाई। इस दौरान युवको ने तेंदुलकर से खेल के गुर सीखे। अपने इस वीडियो के साथ सचिन ने क्रिकेट और कश्मीर, स्वर्ग में एक मैच। इससे पहले तेंदुलकर ने श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक क्रिकेट बैट निर्माण इकाई का दौरा किया। तेंदुलकर ने उन्हें दिए गए पहले बल्ले को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर एक वीडियो भी पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मुझे पहला बल्ला मेरी बहन ने दिया था और वह कश्मीर में बना विलो बल्ला था। अब मैं यहां हूं तो कश्मीर विलो को तो मिलना बनता है।

सचिन सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर भी पहुंचे आखिरी बिंदु अमन सेतु पुल का दौरा किया। अधिकारियों ने बताया कि लगभग एक घंटे तक चली अपनी यात्रा के दौरान तेंदुलकर ने अमन सेतु के पास कमान पोस्ट पर सैनिकों से बातचीत की और उनके साथ तस्वीरें खिंचाईं। उन्होंने पहलगाम पर्यटन स्थल का भी दौरा किया। सचिन ने अपने इस दौरे में गुलमर्ग-श्रीनगर रोड पर कुंजर क्षेत्र में एक कला एवं शिल्प केंद्र का भी दौरा किया।

इन्दौर के इरफान के नेतृत्व में भारतीय सब जूनियर टेनिस टीम ने जीता स्वर्ण पदक

शामतक, इन्दौर । श्रीलंका टेनिस संघ के द्वारा 12 से 17 फरवरी तक कोलम्बो में आयोजित की गई आई.टी.एफ. एश?िया ओशानिया प्री-क्वालिफाईंग सब जूनियर टीम कॉम्पीटीशन में इन्दौर टेनिस क्लब के मुख्य प्रश?िक्षक इरफान अहमद के नेतृत्व में भारतीय सब जूनियर टेनिस टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 2-0 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीत लिया है। स्वर्ण पदक जीत कर कूचिंग, मलेश?िया में एश?िया फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इरफान इससे पहले भी भारतीय जूनियर टेनिस टीम के प्रश?िक्षक की भूमिका निभा चुके है। भारतीय सब जूनियर टेनिस टीम की इस उपलब्धि पर भारतीय टेनिस संघ के अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन, महासचिव अनिल धूपर एवं मध्यप्रदेश टेनिस संघ के अक्ष्यक्ष अनिल महाजन तथा समस्त पदाधिकारियों ने बधाईयां दी। **परिणाम फाइनल** (बालक वर्ग) - भारत विवि श्रीलंका 2-0 ऋतिक कटकम विवि रिषिथ बोमुल्लगे सोमरत्ना 6-1, 6-1, तविश पाहवा विवि ऐषलीन जनिसा डिसिल्वा 6-2, 6-1

पेरा राष्ट्रीय रैंकिंग टेटे चैंपियनशिप

विश्व स्तरीय जे.डी. मदान, येजदी भामगरा, त्रिवेन्द्र सिंह, सोनल पटेल व बेबी सहाना को खिताबी सफलता

एजेंसी, इन्दौर ।

टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में म.प्र. टेबल टेनिस संगठन तथा पेरा टेबल टेनिस प्रमोशन एसोसिएशन द्वारा आयोजित यूटीटी पेरा राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के पुरूष वर्ग में 25वीं विश्व वरीयता प्राप्त तमिलनाडु के जे.डी. मदान (WR-25), रवीन्द्र अलगर, गुजरात के येजदी भामगरा (WR-45), उत्तर प्रदेश के त्रिवेन्द्र सिंह (WR-58), लक्ष्य गुप्ता, पंजाब के शुभम वाधवा तथा महिला वर्ग में 14वीं विश्व वरीयता प्राप्त गुजरात की सोनल पटेल, तमिलनाडु की बेबी सहाना (WR-18), गुजरात की उषा राठौर व शीतल दर्जी, उत्तर प्रदेश की प्रांची पाण्डे ने अपने-अपने वर्गों/क्लास में खिताबी सफलता अर्जित की।

अभय प्रशाल में खेली गई इस स्पर्धा के पुरूष एकल क्लास-1 में जे.डी. मदान (तमिलनाडु) ने संदीप डांगी (हरियाणा) को 11-6, 11-8, 11-7 से पराजित कर खिताब जीता। पुरूष एकल वर्ग क्लास-2 में लक्ष्य गुप्ता (उत्तर प्रदेश) ने जय दवे (गुजरात) को 11-6, 11-8, 11-7 से पराजित कर खिताब जीता। पुरूष एकल वर्ग क्लास-3 के अंतिम मुकाबलें में शुभम वाधवा (पंजाब) ने दिनेश पधारिया (गुजरात) को 11-3, 11-4, 11-4 से पराजित कर खिताब जीता। पुरूष एकल वर्ग क्लास-4 के फाईनल में त्रिवेन्द्र सिंह (उत्तर प्रदेश) ने जसवंत चौधरी (गुजरात) को 11-5, 11-3, 11-4 से हराकर खिताब अर्जित किया। पुरूष एकल वर्ग क्लास-5 के अंतिम मुकाबले में रविन्द्र अलगर (तमिलनाडु) ने रिषित नाथवानी (महाराष्ट्र) को 11-5, 11-2, 11-8 से पराजित कर खिताब जीता। पुरूष एकल वर्ग क्लास-6 के अंतिम मुकाबले में येजदी भामगरा (गुजरात) ने ध्रुव चुघ (गुजरात) को 11-5, 11-3, 11-8 से पराजित कर खिताब जीता। पुरूष एकल वर्ग क्लास-7 में संजीव हम्मनवार (कर्नाटक) ने योगेश डागर (हरियाणा) को 11-8, 8-11, 11-7, 11-6 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। पुरूष एकल वर्ग क्लास-8 में कुणाल अरोरा (उत्तर प्रदेश) ने गजानंद परमार (मध्य प्रदेश) को 11-6, 11-7, 11-8 से पराजित कर खिताब अर्जित किया। पुरूष एकल वर्ग क्लास-9 में दत्तप्रसाद चौघुले (महाराष्ट्र) ने वाय. नितिश (तमिलनाडु) को 11-6, 7-11, 11-9, 11-3 से हराकर खिताब जीता। पुरूष एकल वर्ग क्लास-10 में हितेश डोलवानी (तेलगांना) ने विश्वा तांबे (महाराष्ट्र) को 11-7, 7-11, 11-9, 11-8 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

महिला एकल वर्ग क्लास-1-2-3 में सोनल पटेल (गुजरात) ने विद्या कुमारी (बिहार) को 11-3, 11-8, 11-6 से पराजित कर खिताब जीता। महिला एकल वर्ग क्लास-4 में उषा राठोर (गुजरात) ने संगीता बेन सुतारिया (गुजरात) को 11-6, 11-6, 11-5 से पराजित कर खिताब जीता। महिला एकल वर्ग क्लास-5 में शीतल दर्जी (गुजरात) ने भारती बेन पढ़ारिया (गुजरात) को 11-6, 11-7, 11-8 से हराकर खिताब अर्जित किया। महिला एकल वर्ग क्लास 6-7 के फाईनल में प्रांची पाण्डे (उत्तर प्रदेश) ने भाविना कुकाड़िया (गुजरात) को 11-5, 11-8, 11-8 से हराकर खिताब जीता। महिला एकल वर्ग क्लास-8 में सविता अज्जनकट्टी (कर्नाटक) ने जमान नूरजहां (गुजरात) को 11-8, 3-11, 11-8, 11-7 से पराजित किया। महिला एकल वर्ग क्लास-9 में बेबी सहाना (तमिलनाडु) ने महक कौर (हरियाणा) को 11-8, 8-11, 11-7, 11-5 से हराकर खिताब जीता।

Government of Madhya Pradesh

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

INVEST MADHYA PRADESH

REGIONAL INDUSTRY CONCLAVE

1-2 March, 2024 - Ujjain

Narendra Modi
Prime Minister

Dr. Mohan Yadav
Chief Minister

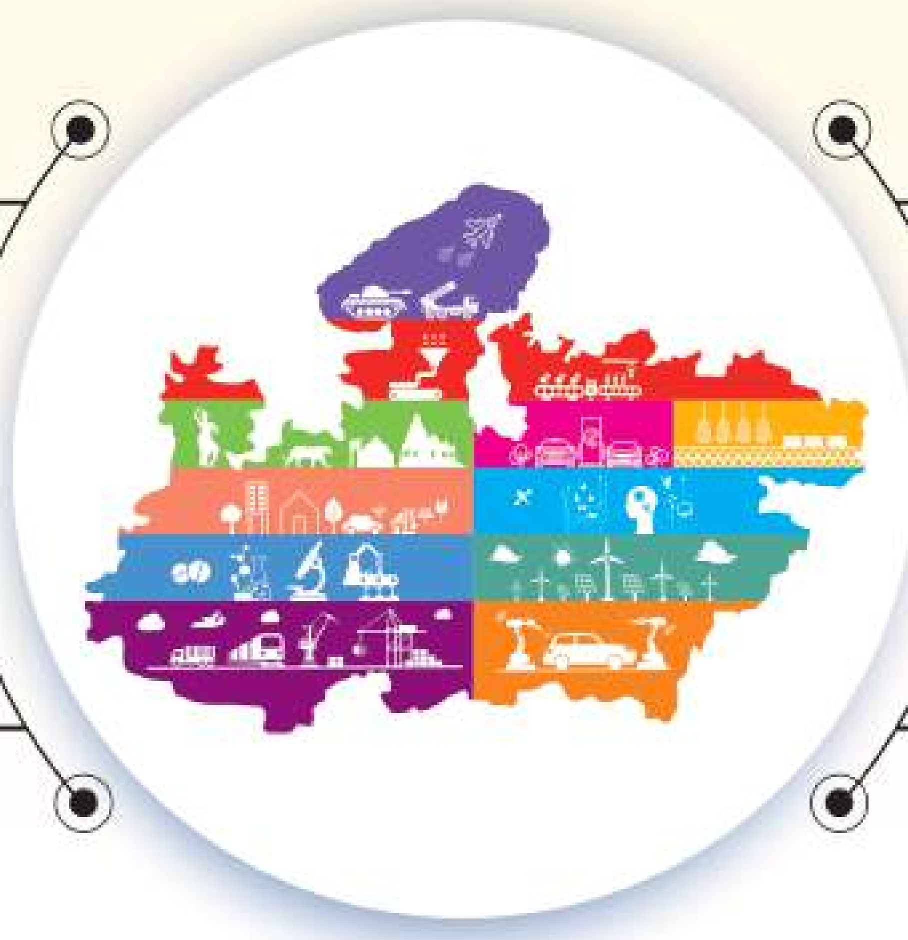

STRATEGIC LOCATION - WELL CONNECTED

STRONG RESOURCE BASE

VAST INDUSTRIAL LAND BANK

STATE-OF-THE-ART INFRASTRUCTURE

INNOVATIVE & PROGRESSIVE POLICY

PEACEFUL WORKING ENVIRONMENT

ABUNDANT SKILLED MANPOWER

INDUSTRIAL CORRIDORS AND HUBS

CONCLAVE HIGHLIGHTS

- Buyer & Seller Meet
- One-2-One Meet
- Exhibition
- Thematic Session

MADHYA PRADESH THE FUTURE READY STATE

https://invest.mp.gov.in/

Knowledge Partner
EY
Building a better working world

National Partner
CII
Confederation of Indian Industry

D11213/23

Released by the Department of Public Relations, M.P.